राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 26 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-269 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इथियोपिया ज्वालामुखी की राख का दिल्ली से जयपुर-जैसलमेर के आसमान तक दिखेगा असर

कई फ्लाइट रद्द, प्रदूषित हुई हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नइथियोपिया के ज्वालामुखी से उठी 25-45 हजार फीट ऊंची राख दिल्ली, राजस्थान और उत्तर भारत तक पहुंच गई है। कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द या डायवर्ट हुई हैं। दिल्ली में आनंद विहार, एम्स-सफदरजंग के पास जहरीला स्मॉग छाया है और एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। डीजीसीए ने एयरलाइंस को राख वाले क्षेत्रों से बचने की सलाह दी है। इथियोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है और इसकी राख दिल्ली तक पहुंच गई है। इथियोपिया के हैली गब्बिन ज्वालामुखी के विस्फोट के बाद उठी राख का विशाल बादल 25,000-45,000 फीट की ऊंचाई पर भारत तक पहुंच गया है, जिससे दिल्ली, राजस्थान और उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में इसका असर दिखने लगा है।

राजधानी दिल्ली में कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया और जहरीला स्मॉग छा गया है। आनंद विहार, एम्स और सफदरजंग के आसपास दृश्यता कम हो गई है। ज्वालामुखी राख के कारण अकासा एयर, इंडिगो और कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रूट बदले गए हैं, कुछ उड़ानें रद्द भी हुई हैं।डीजीसीए ने एयरलाइंस को चेतावनी जारी कर राख वाले क्षेत्रों और ऊंचाइयों से दूर उड़ान भरने, रूट बदलने और इंजनों की जांच करने को कहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, सतह पर हवा की गुणवत्ता पर ज्यादा असर नहीं होगा, लेकिन ऊंचाई पर उड़ानों पर इसका खतरा बना रहेगा। इथियोपिया के ज्वालामुखी विस्फोट, उड़ानों की स्थिति, मौसम और भारत पर इसके असर से जुड़ी हर ताज़ा और सटीक जानकारी आपको सबसे पहले आजतक पर मिलेगी। हायली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट के बाद प्रभावित क्षेत्रों के ऊपर से गुज़रे विमानों की एहतियाती जांच के कारण एयर इंडिया ने कई उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन का कहना है कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी वजह से यह कदम उठाया गया है।

आर्मेनिया ने भारत के साथ तेजस फाइटर जेट पर बातचीत रोकी !

- दुबई एयर शो हादसे के बाद 1.2 अरब डॉलर के सौदे को झटका

येरेवान (एजेंसी)। दुबई एयर शो में तेजस लड़ाकू विमान हादसे के बाद एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्मेनिया ने भारत के साथ तेजस लड़ाकू विमान सौदे पर बातचीत रोक दी है। इस खतरनाक हादसे में तेजस एयरक्राफ्ट के पायलट, भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई। इस घटना ने पूरी दुनिया के झकझोर कर रख दिया है। रिपोर्ट्स में अनुमान लगाया गया है कि हादसे के बाद आर्मेनिया ने विमान की सुरक्षा और तकनीकी समीक्षा के पूरा होने तक बातचीत रोकने का फैसला किया है,

नमांश स्याल की मौत हो गई थी। जेरूसलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आर्मेनिया, भारत सरकार और एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी हाल के साथ 1.2 अरब डॉलर में में 12 एयरक्राफ्ट खरीदने की डील के आखिरी स्टेज पर था। हमारा अखबार इस दावे की पुष्टि नहीं करता है। आपको बता दें कि दुबई एयर शो में 2 दिसंबर को खतरनाक हादसा हुआ था। जब भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरी दुनिया के झकझोर कर रख दिया है। हालांकि भारत या आर्मेनिया दोनों की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी तक सामने नहीं आई है। पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी की भारत और आर्मेनिया के बीच 1.2 अरब डॉलर की तेजस फाइटर जेट को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि ना तो भारत और ना ही आर्मेनिया ने ही इस खबर की पुष्टि की है। पिछले महीने आर्मेनिया के रक्षा मंत्री ने मीडिया में खबरों को निराधार कहा।

गुरुद्वारा जाने से इनकार करने पर क्रिश्चियन आर्मी अफसर बर्खास्त

- सुप्रीम कोर्ट बोला-ऐसा व्यक्ति फोर्स में रहने लायक नहीं, सेना सेक्युलर,यहां अनुशासन सर्वोपरि

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सैमुअल कमलेसन नाम के एक क्रिश्चियन आर्मी अफसर को फटकार लगाई, जिसे गुरुद्वारे जाने से मना करने पर सेना ने बर्खास्त कर दिया था। कोर्ट ने अफसर को झगड़ालू और आर्मी के लिए मिसफिट करार दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने से पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मई में सेना के फैसले को सही ठहराया था। हाईकोर्ट ने माना था कि अफसर के व्यवहार से रेजीमेंट की एकजुटता, अनुशासन और सेक्युलर मूल्यों को नुकसान पहुंचा। कोर्ट ने सेना में ऐसे व्यवहार को युद्ध स्थितियों में नुकसानदेह बताया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि कमलेसन ने अपने सीनियर

क्रिश्चियन अफसर को सेना की नौकरी से हटाने के फैसले का समर्थन किया। साथ ही कहा कि उन्होंने अपने साथी सिख सैनिकों की आस्था का सम्मान नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि यह आचरण गंभीर अनुशासनहीनता है और सेना जैसी संस्था में ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। सीजेआई ने कहा- आप किस तरह का संदेश दे रहे हैं। आपने अपने सैनिकों की भावनाओं का सम्मान नहीं किया। आपका धार्मिक अहंकार इतना अधिक था कि आपने दूसरों की परवाह ही नहीं की। सुप्रीम कोर्ट अफसरों के आदेश से ऊपर अपने धर्म को रखा। यह स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता है। अफसर सैमुअल कमलेसन की तरफ से पेश हुए सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उन्हें सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाला गया क्योंकि उन्होंने अपने पोस्टिंग वाले मंदिर के सबसे अंदर वाले हिस्से में जाने से मना कर दिया था। वकील ने बताया, अफसर हर हफ्ते अपने सैनिकों के साथ मंदिर और गुरुद्वारे तक जाते थे, लेकिन पूजा, हवन या आरती के समय अंदर नहीं जाते थे।

यह भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का 'ध्वज' है

- राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कहा-ध्वजारोहण उत्सव का यह क्षण अद्वितीय व अलौकिक है

अयोध्या (एजेंसी)। भव्य राम मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा फहराने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विश्व के करोड़ों रामभक्तों को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर ध्वजारोहण उत्सव का यह क्षण अद्वितीय और अलौकिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है और संकल्प सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। राम मंदिर के शिखर पर फहरा रहा ये ध्वज भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है।

भागवत बोले- जिन्होंने प्राण अर्पण किए, आज उनकी आत्मा तृप्त हुई

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण हो गया। हमने इसे अपनी आंखों से देखा है।

योगी बोले-

पीढ़ियों की प्रतीक्षा आज साकार हुई

सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है। 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।' एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष और बदहाली का शिकार बन चुकी थी।

2047 तक भारत को बनाना होगा विकसित देश

सबके सहयोग से हमें 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करना ही होगा। हमें प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व को आत्मसात करना होगा राम यानि जीवन का सर्वोच्च चरित्र। हमें अपने अंदर राम को जगाना होगा। अपने भीतर के राम की प्राण प्रतिष्ठा करनी होगी। इस संकल्प के लिए आज से बड़ा सुअवसर कोई नहीं हो सकता। इसलिए, हम संकल्प लें कि अपने भीतर राम जगाएंगे। इस अवसर पर पीएम ने लार्ड मैकाले का भी जिक्र किया।

कुछ भी करें, हमें जाति के आधार पर समाज को बांटना नहीं चाहिए

- सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने आते ही खींच दी बड़ी लकीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम चाहे कुछ भी करें, हमें समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार को महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव मामले की सुनवाई के दौरान यह बड़ी लकीर खींच दी है। यह टिप्पणी तब आई जब विभिन्न पक्षों ने स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण की 50 फीसदी सीमा लागू रहने पर अन्य पिछड़ा वर्ग को जमीनी स्तर के लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व से वंचित किए जाने की आशंका पर चिंता जताई है। जस्टिस सूर्यकांत ने 24 नवंबर को ही यानी एक दिन पहले ही सीजेआई पद की शपथ ली है। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने आरक्षण का समर्थन करते हुए कहा कि चूंकि महाराष्ट्र के कई इलाकों में आदिवासी आबादी अच्छी-खासी है, इसलिए उन इलाकों में अकेले एससी-एसटी आरक्षण ही 50 फीसदी होगा। ऐसे में ओबीसी आरक्षण के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। उन्होंने यह भी बताया कि 1931 के बाद से कोई जाति जनगणना नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने कहा कि अब एक नई जनगणना प्रस्तावित है, जिससे ओबीसी जनसंख्या प्रतिशत निर्धारित करने में मदद मिलेगी।

ओबीसी को बाहर करके लोकतंत्र कैसे कायम होगा

वेबसाइट लाइवलॉ की एक खबर के मुताबिक,सीजेआई सूर्यकांत ने यह मानते हुए कि ओबीसी को पूरी तरह से बाहर नहीं किया जा सकता टिप्पणी की- ओबीसी को बाहर करके लोकतंत्र कैसे स्थापित हो सकता है। बाद में, न्यायाधीश ने अपनी राय व्यक्त की कि समाज को जाति के आधार पर विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि समाज को जाति के आधार पर विभाजित नहीं किया जाना चाहिए, तो इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वे केवल आनुपातिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे थे। यह पहली बार नहीं है जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जाति-विभाजन के खिलाफ बात की हो।

एसआईआर के खिलाफ फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तमिलनाडु

- दायर की छठी याचिका, चुनाव आयोग को नोटिस भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) प्रमुख वाइको की उस याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु की एसआईआर प्रक्रिया पर आपत्ति जताई थी। अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। उधर पश्चिम बंगाल के बोंगांव में एसआईआर के खिलाफ रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी उन्हें राजनीतिक रूप से नहीं हरा सकती। ईसी अब निष्पक्ष नहीं रहा, यह बीजेपी कमीशन बन गई है। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि एसआईआर में 10 लाख से ज्यादा फॉर्म अमान्य मिले, क्योंकि कई वोटर मौजूद नहीं हैं, डुप्लीकेट थे, मर चुके या कहीं और चले गए हैं। 12 राज्यों में एसआईआर चल रही है।

बर्फबारी और सर्द हवाओं से कांपे मैदानी राज्य

- राजस्थान-एमपी के 16 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

बिहार में पटना सहित 10 शहरों में घना कोहरा, बढ़ गई ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और सर्द हवाओं से मैदानी राज्यों में ठिठुरन बढ़ने लगी है। राजस्थान में सोमवार को कोटा, उदयपुर समेत कई जिलों में दिन के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हुई। 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा। फतेहपुर में सबसे कम, 5.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश में भी सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। नौगांव, राजगढ़, नरसिंहपुर और रीवा में सोमवार को तापमान 8 से 10 डिग्री के बीच रहा। भोपाल सहित कई जिलों में लगातार तीसरे दिन बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने राज्य में अगले चार दिन तक शीतलहर से राहत की संभावना जताई है। इधर, बिहार में सर्दी के साथ घने कोहरे का असर बढ़ गया है। बीते दिन, पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय समेत 10 शहरों में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। कई जगह विजिबिलिटी 100-200 मीटर तक दर्ज की गई। इससे सड़कों पर दिन में भी गाड़ियों की लाइटें जलानी पड़ी। उत्तराखंड में पारा गिरने के साथ सर्द हवाएं चल रही हैं। बद्रीनाथ में सोमवार को तापमान माइनस 12 डिग्री पहुंच गया। यहां नदी और झरने जम गए हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की आशंका जताई है।

क्या एलियन होते हैं!

जापान से मिलाया हाथ,तेजी से आगे बढ़ रहा है प्रोजेक्ट

सबसे बड़े रहस्य से पर्दा हटाएगी भारत की टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान एक ऐतिहासिक वैज्ञानिक साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों देश मिलकर दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी खगोलीय उपकरणों में से एक- थर्टी मीटर टेलीस्कोप का निर्माण कर रहे हैं। 30 मीटर के विशाल प्राथमिक दर्पण वाला यह अत्याधुनिक ऑप्टिकल-इन्फ्रारेड टेलिस्कोप ब्रह्मांड की गहराइयों को पहले से कहीं अधिक स्पष्टता से देखने में सक्षम होगा और संभव है कि यह मानव सभ्यता के सबसे बड़े सवाल- क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं। का जवाब भी दे दे। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, टीएमटी प्रोजेक्ट भारत, जापान और अमेरिका के दो प्रमुख विश्वविद्यालयों की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में विकसित किया जा रहा है। जापान की कैबिनेट ऑफिस टोक्यो के नेशनल स्पेस पॉलिसी कमेटी के वाइस चेयर डॉ. साकू त्सुनेटा बताते हैं- खगोलविद ब्रह्मांड के दूरस्थ हिस्सों से अधिक प्रकाश एकत्र करने के लिए बड़े दर्पण चाहते हैं। जितना बड़ा दर्पण होगा, उतनी अधिक खोजें संभव होंगी। इस टेलीस्कोप का प्राथमिक दर्पण 30 मीटर का होगा, लेकिन यह एक ही दर्पण से नहीं बनेगा। इसके लिए 500 छोटे दर्पणों को अत्यंत सटीकता से जोड़कर एक विशाल दर्पण तैयार किया जाएगा। हर दर्पण की स्थिति और कोण का समायोजन बेहद चुनौतीपूर्ण है- और यही काम भारत की तकनीक कर रही है।

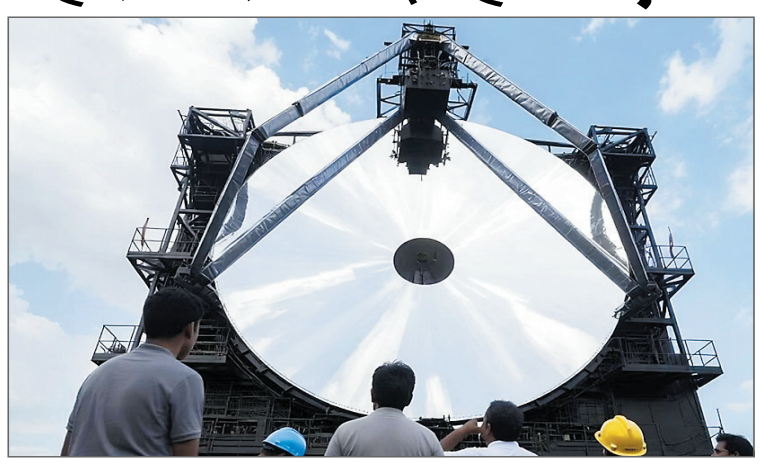

भारत-जापानः अंतरिक्ष विज्ञान में मजबूत साझेदारी

बातचीत से पहले भी दोनों देश टीएमटी मिशन पर साथ काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य है- चंद्रमा पर पानी की खोज। अब दोनों मिलकर तारों के बीच जीवन की तलाश में निकल रहे हैं। यह विज्ञान और तकनीक में भारत की वैस्विक स्थिति को ऊंचा उठाएगा। हजारों भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा। ब्रह्मांड में जीवन के बारे में मानवता के सबसे बड़े सवाल का जवाब खोजने में मदद करेगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

(लेखक - ललित गर्ग)

संविधान दिवस- 26 नवम्बर 2025)

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मर्यादा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ॰ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं।

इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मर्यादा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है।

संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था-'संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा।' उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि 'संविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है।' उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि 'संविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है।' उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे 'संविधान के प्रति कर्तव्य पालन' अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था-'संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा।' उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो।

संपादकीय

खतरनाक मंसूबे

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

संवैधानिक प्रावधानों से पारदर्शी एवं जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित हो

(लेखक- राजकुमार सिन्हा)

पारदर्शी व्यवस्था में संविधान का महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि यह एक मूलभूत ढांचा प्रदान करता है जो सरकार के कार्यों को परिभाषित और सीमित करता है, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित होती है और सत्ता के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। संविधान सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) की शक्तियों और कार्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। यह शक्तियों के केंद्रीकरण और दुरुपयोग को रोकता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी कार्य कानून के अनुसार हों। संविधान कानून के शासन को स्थापित करता है, जिसका अर्थ है कि देश पर शासन व्यक्तियों की मनमानी से नहीं, बल्कि स्थापित कानूनों से चलेगा। यह एक समान और निष्पक्ष व्यवस्था बनाता है। संविधान नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिनकी रक्षा सरकार को करनी होती है। सूचना का अधिकार जैसे प्रावधान, जो अक्सर संवैधानिक सिद्धांतों से प्रेरित होते हैं, नागरिकों को सरकार के कार्यों के बारे में जानकारी मांगने का अधिकार देते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है।पारदर्शिता और जवाबदेही सुशासन के दो प्रमुख तत्व हैं। संविधान ऐसा प्रावधान करता है जो सरकारी निकायों को उनके निर्णयों और कार्यों के लिए लोगों के प्रति जवाबदेह बनाता है, जैसे कि नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) जैसे संवैधानिक निकायों की स्थापना। जब सरकार संविधान द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से काम करती है, तो नागरिकों का सरकार में विश्वास बढ़ता है। यह व्यवस्था को वैधता प्रदान करता है और सरकार व लोगों के बीच विश्वास पैदा करता है। पारदर्शिता भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। संवैधानिक ढांचा सरकार के हर स्तर पर खुलेपन और ईमानदारी की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संविधान एक पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रणाली की नींव के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकार जनहित में और कानून के दायरे में काम करे।सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐतिहासिक निर्णयों में यह स्पष्ट किया है कि सूचना का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार नागरिकों को सरकार के कामकाज के बारे में जानने का हक देता है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।सरकारी योजनाओं और सेवाओं को ऑनलाइन करने से प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है और नागरिकों के लिए सूचना तक पहुंच आसान हो गई है। केंद्र सरकार ने कई कल्याण योजनाओं (जैसे पीएम किसान) में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर का इस्तेमाल बढ़ाया है, जिससे सब्सिडी या लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जाती है। इस तरह के ट्रांसफर सिस्टम में बिचौलियों की भूमिका कम होती है और लीकेज की संभावना घटती है। सार्वजनिक खरीद-क्रय के लिए केंद्र सरकार ने जीईएम पोर्टल लॉन्च किया है, जिससे बोली लगाने, ऑक्शन प्रक्रिया और लेनदेन डिजिटल रूप से हो सकते हैं। जीईएम के माध्यम से ई-बिडिंग और रिवर्स ऑक्शन जैसी प्रणालियां हैं, जिससे खरीद प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ी है। केंद्र सरकार के डेटा और ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम ने पिछले दशक में कुल 3.48 लाख करोड़ रूपए की बचत की है, जिसे लीकेज को रोकने वाला मुख्य कारक माना गया है।

संविधान ही हमें यह बताता है कि समूची व्यवस्था कैसे काम करेगी। इसके अंतर्गत चुनाव प्रणाली, सरकार का गठन (व उसका निलंबन भी), शक्तियों का बंटवारा, अधिकारों की रक्षा इत्यादि जैसे गंभीर एवं जटिल मुद्दे आते हैं। संविधान का महत्त्व इसलिए भी है कि यह सरकारों को भी दिशा दिखाने का कार्य करता है।स्वतंत्र संस्थान लोकतंत्र का सुरक्षा कवच होते हैं। यदि वे पक्षपातपूर्ण दिखने लगें, तो जनता का भरोसा डगमगाता है।चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और न्यायपालिका जैसे संस्थानों पर दबाव के आरोप सरकार पर लगते रहते हैं। कई नागरिक संगठनों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया की स्वायत्तता और इंटरनेट प्रतिबंधों पर चिंता जताई है। भारतीय संविधान सहकारी संघवाद पर आधारित है। कई राज्य सरकारें शिकायत करती हैं कि केंद्र द्वारा नीतिगत और वित्तीय निर्णयों में राज्यों से पर्याप्त परामर्श नहीं लिया जाता है।एक लोकतांत्रिक समाज में न्यायिक पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। ये सिद्धांत न्यायपालिका में जनता के विश्वास की आधारशिला के रूप में काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय न केवल किया जाए बल्कि न्याय होते हुए भी दिखे। जब नागरिकों को अदालती कार्यवाही और फैसलों के बारे में जानकारी मिलती है, तो यह कानूनी व्यवस्था में समझ और विश्वास को बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जवाबदेही सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ एक जांच के रूप में कार्य करती है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने में मदद करती है।

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की

समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

विचार मंथन

कितने हिड़मा मारोगे, हर घर से निकलेगा एक हिडमा?

(लेखक- सनत जैन)

रविवार को दिल्ली स्थित इंडिया गेट पर प्रदूषण को लेकर युवा विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया गया। इससे नाराज प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों के ऊपर मिर्च स्प्रे से हमला कर दिया। युवाओं ने पुलिस से बचने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों के हाथ में हाल ही में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में मारे गए नक्सली कमांडर हिड़मा का पोस्टर था। दिल्ली पुलिस पर किए गए मिर्च स्प्रे से दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए, उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। पहली बार किसी विरोध प्रदर्शन में पुलिस के ऊपर मिर्च स्प्रे का उपयोग किया गया है। प्रदर्शनकारी बड़े उग्र थे। वह पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ना चाहते थे। दिल्ली पुलिस उनसे प्रदर्शन स्थल को खाली करने की अपील कर रही थी। प्रदर्शनकारी नहीं माने। देश की राजधानी दिल्ली में पहली बार इस तरह का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, कितने हिड़मा मारोगे, हर घर से हिड़मा निकलेगा। नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला ने माना, आंदोलनकारियों का यह प्रदर्शन हिंसक था। मुट्ठी भर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। पहली बार पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च स्प्रे चला गया था। उनका इलाज राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चल रहा है। पुलिस कर्मियों की आंखों मे जलन और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। एंबुलेंस में घायल पुलिसकर्मियों को लेकर अस्पताल जाना पड़ा। पुलिस ने 15 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। सारे प्रदर्शनकारी पढ़े-लिखे युवा थे। इस प्रदर्शन ने दिल्ली पुलिस को चिंता में डाल दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, दिल्ली मे प्रदूषण और विभिन्न समस्याओं को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। दिल्ली पुलिस को रोजाना प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रदर्शन इसी तरह से हिंसक होंगे तो पुलिस की परेशानी और भी बढ़ जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने कानून व्यवस्था की अनदेखी करके जिस तरह से पुलिस पर हमला करने की कोशिश की है, जिस तरह के नारे लगाए गये हैं, उसने दिल्ली पुलिस की चिंता को बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर पहले भी युवाओं ने प्रदर्शन किया था। पुलिस ने सख्ती के साथ उसे रोक दिया था। दोबारा यह विरोध प्रदर्शन रविवार की शाम को इंडिया गेट के पास सी हेक्सागन में किया गया। दिल्ली पुलिस को अंदाज नहीं था, यह प्रदर्शन इतना उग्र हो जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर आम जनमानस में भारी रोष है। युवाओं में पुलिस के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। पुलिस ने आंदोलनकारियों पर एफआईआर दर्ज की है। पुलिस पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने, सड़क जाम करने का आरोप लगाया है। युवाओं में महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षाओं में परचे लीक होने तथा नौकरी नहीं मिलने के कारण भारी नाराजी है। छोटी-मोटी समस्याओं पर उग्र प्रदर्शन हो रहे हैं। आंदोलन, प्रदर्शन, धरना इत्यादि पर सरकार की दमनकारी नीति और असंवेदनशीलता से प्रदर्शनकारी उग्र हो रहे हैं। धरना-प्रदर्शन और आंदोलन के बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। ऐसी स्थिति में युवा अब विद्रोही बनकर सड़कों पर उतर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को समय रहते करोड़ों पढ़े-लिखे युवा, जो कई वर्षों से बेरोजगार हैं, उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिल रही है ना ही उन्हें रोजगार मिल रहा है, प्राइवेट सेक्टर में भी नौकरी नहीं मिल रही है, ऐसी स्थिति में युवाओं का आक्रोश अब सड़कों पर दिखने लगा है। आंदोलनकारियों ने जिस तरह से मारे गए नक्सली कमांडर माडवी हिड़मा का पोस्टर दिखाकर आक्रोश का प्रदर्शन किया है। उन्होंने सरकार को एक तरह की चेतावनी दी है। दिल्ली में प्रदूषण की हालत एक दशक से ज्यादा समय से खराब है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने से बीमारियां फैल रही हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। हर साल सरकार नए-नए दावे करती है। समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ, उल्टे प्रदूषण साल दर साल बढ़ता जा रहा है। दिल्ली और देश के युवा आक्रोषित हैं। इस बार आंदोलनकारी पुलिस से मुकाबला करने की तैयारी करके आए थे। जब-जब सामाजिक असमानता बढ़ती है लोगों को पेट भरने और रहने के लिए जब भोजन और जगह नहीं मिलती है तब इस तरह के आंदोलन बड़े उग्र होते हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से नक्सल आंदोलन 1970 के दशक में शुरू हुआ था। धीरे-धीरे करके यह देश के कई राज्यों में फैल गया। वर्तमान में जिस तरह से करोड़ों शिक्षित युवा और करोड़ों मजदूर बेरोजगार होकर घूम रहे हैं। मनरेगा में भी इन्हें मजदूरी नहीं मिल रही है। सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी नहीं मिल रही है। महंगाई बढ़ती चली जा रही है। इसके कारण देश में सामाजिक असंतोष बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र सरकार को दिल्ली के इस आंदोलन को गंभीरता से लेना चाहिए। लोगों की समस्याओं का समाधान हो, एक वर्ग की पूंजी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। वहीं मध्यम और निम्न वर्ग की दैनिक ज़रूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। करोड़ों लोग कर्ज लेकर किसी तरह से जरुरतें पूरी कर रहे हैं। महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है। सरकार को समय रहते वास्तविकता को स्वीकार करते हुए गरीब और मध्यम वर्ग के लिए तुरंत कोई उपाय करने होंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भारत में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रख पाना मुश्किल होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 313, निफ्टी 74 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। ऑटो, आईटी और निजी बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 313.70 अंक नीचे आकर 84,587.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 74.70 अंक नीचे आकर 25,884.80 पर बंद हुआ। वहीं लार्जकैप शेयरों में बिकवाली दर्ज की गयी। इसके विपरीत मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 216.40 अंक याकी तेजी के साथ 60,298 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.80 अंक की मजबूती के साथ 17,730.30 पर था। सेक्टोरल आधार पर आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 1.44 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.44 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.55 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.62 फीसदी, निफ्टी कमोडिटी 0.15 फीसदीऔर निफ्टी हेल्थकेयर 0.37 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी ऑटो 0.23 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.57 फीसदी, निफ्टी मीडिया 0.80फीसदीऔर निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.23 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, एसबीआई, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट रुख के साथ खुले। सेंसेक्स ने 100 अंकों की बढ़त के साथ 85,008 पर कारोबार की शुरुआत की, लेकिन खुलते ही इसमें कमजोरी नजर आई। इसी तरह निफ्टी-50 भी 25,998 पर खुला, लेकिन जल्द ही इसमें उतार-चढ़ाव दिखा।

केंद्र की नई फास्ट ट्रैक जीएसटी योजना से पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी

- 21 मिनट में मिला जीएसटी नंबर!

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से फास्ट ट्रैक जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू की। इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को तेज़, आसान और पारदर्शी बनाना है। जीएसटी परिषद ने सितंबर में 56वीं बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। पहले 15 दिनों में 1,42,000 आवेदनों को मंजूरी मिली, जिनमें दो-तिहाई पंजीकरण स्वचालित रूप से हुए। कुल 2,17,000 पंजीकरण मंजूर किए गए। सबसे तेज मंजूरी 21 मिनट में दी गई। पहला पंजीकरण 1 नवंबर को जारी हुआ। नई प्रणाली के तहत तीन कार्यदिवसों में पंजीकरण उन आवेदकों को मिलेगा जिन्हें सिस्टम डेटा से पहचाना जा सके और जिनकी मासिक देयता 2.5 लाख रुपये से अधिक न हो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, इससे 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होगा। अधिकारियों के अनुसार, नई ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज के एक अधिकारी ने बताया कि छोटे कारोबारी और पेशेवर अब 24 घंटे में पंजीकरण प्राप्त कर रहे हैं।

एसबीआई वेंचर्स जुटाएगा 2,000 करोड़ का जलवायु कोष

- हरित वृद्धि में निवेश को बढ़ावा देने की योजना

नई दिल्ली । एसबीआई वेंचर्स के एक अधिकारी ने आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण में बताया कि उनका उद्देश्य हरित वृद्धि को बढ़ावा देना है, जो एक नया वित्तीय अवसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए घरेलू और वैश्विक निवेशकों से संपर्क किया जाएगा और अगले साल की शुरुआत में रोड शो आयोजित किया जाएगा। एसबीआई वेंचर्स, जो एसबीआई का वैकल्पिक संपत्ति प्रबंधक है, अपने तीसरे जलवायु-केंद्रित कोष के लिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। प्रभाकर ने कहा कि उनका लक्ष्य अगले कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में कोष तैयार करना है। यह कोष प्रारंभिक और विकास-चरण वाले जलवायु स्टार्टअप में निवेश करेगा, विशेषकर अग्रणी जलवायु प्रौद्योगिकियों और एआई-सक्षम जलवायु नवोन्मेषण पर। प्रभाकर ने बताया कि भारत के जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 170 अरब अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है, जो वर्तमान प्रवाह से तीन गुना अधिक है।

जम्मू-कश्मीर में एक अरब टन चूना-पत्थर का भंडार- जीएसआई

- केंद्र का मिला समर्थन, ई-नीलामी शुरू

जम्मू । भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण (जीएसआई) के अनुसार जम्मू-कश्मीर में लगभग एक अरब टन चूना-पत्थर मौजूद है। केंद्रीय खान मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव संजय लोहिया ने बताया कि क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की भी संभावना है, जिन्हें स्थानीय लोगों के लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। पहली बार जम्मू-कश्मीर के खनिज ब्लॉक नीलामी मानचित्र में चूना-पत्थर ब्लॉक को शामिल करते हुए नीलामी और रोड शो का आयोजन किया गया। संजय लोहिया ने कहा कि केंद्र सरकार इस क्षेत्र में खनन, विकास और निवेश को तेज़ करने में पूरा सहयोग देगी। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने अनंतनाग, राजौरी और पुंछ में 314 हेक्टेयर में फैले सात चूना-पत्थर ब्लॉकों की ई-नीलामी शुरू की।

जेएंडके बैंक ने एमडीबी ग्रुप के साथ किया करार

नई दिल्ली । जेएंडके बैंक ने एमडीबी ग्रुप के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत मोहाली में दिल्ली-मनाली हाईवे पर विकसित हो रहे अल्ट्रा-लक्ज़री हाउसिंग प्रोजेक्ट 'द लुटियंस' के लिए विशेष वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। बैंक की ओर से एक ज़ोनल हेड (कठुआ) और एमडीबी ग्रुप की ओर से एक वे रिष्ठ सीए ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान बैंक के एक अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि यह साझेदारी बैंक की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है और प्रीमियम घर खरीदने वाले ग्राहकों को सरल, अनुकूलित और विश्वसनीय फाइनेंस सेवाएं प्रदान करेगी।

भारत हमारी एआई रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बाजार- एनटीटी डेटा

तोक्यो । टोक्यो की वैश्विक आईटी सेवा कंपनी एनटीटी डेटा ने कहा है कि भारत उनकी एआई रणनीति में एक अहम बाजार है। कंपनी भारत को एपीएसी क्षेत्र का वैश्विक एआई आपूर्ति और प्रतिभा केंद्र बनाने पर काम कर रही है। एनटीटी डेटा के पास भारत में डेटा सेंटर क्षेत्र में 30 फीसदी हिस्सेदारी है और इसे और बढ़ाने की योजना है। कंपनी ने शुरुआती निवेश और अधिग्रहण पर गर्व जताया। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि भारत में युवा प्रतिभा को प्रशिक्षण देकर एआई रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। इंडिया एआई मिशन जैसी सरकारी पहल कंपनी के लिए एक जरूरी समर्थन साबित हो रही है।

अमेरिका शेयर बाजारों में तेजी, सभी प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद

- फेड रेट कट की उम्मीदें और ट्रंप-शी बातचीत से ग्लोबल सेंटीमेंट हुआ मज़बूत

वाशिंगटन । सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी शेयर बाजारों के लिए बेहद सकारात्मक रही, जहां सभी प्रमुख इंडेक्स मज़बूत बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को डाउ जोंस में 0.44 फीसदी की उछाल दर्ज की गई, जबकि नेस्डेक ने 2.69 फीसदी की दमदार छलांग लगाई, जो 12 मई के बाद इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे तेजी रही। एसएंडपी 500 भी 1.5 फीसदी से अधिक चढ़कर बंद हुआ। इस रैली की मुख्य वजह ब्रॉडकॉम, माइक्रॉन, एएमडी और टेस्ला जैसे दिग्गज टेक शेयरों में भारी खरीदारी रही, जिसने बाजार की धारणा को काफी मजबूत किया। ग्लोबल मार्केट्स में तेजी की एक बड़ी वजह दिसंबर में फेडरल रिज़र्व द्वारा 0.25 फीसदी रेट कट की बढ़ती उम्मीदें भी हैं। बाजार विशेषज्ञों के ताजा अनुमान के अनुसार, रेट कट की संभावना 44 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी तक पहुंच गई है। अभी फेड फंड रेट 3.75-4.00 फीसदी के बीच है। रेट कट की संभावना बढ़ने से अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के बाजारों में पॉजिटिव माहौल बना है।

टेक शेयरों की तेजी से अरबपतियों की दौलत में 65 अरब डॉलर का इजाफा

वॉशिंगटन।

अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक्नोलॉजी शेयरों में आई जबरदस्त तेजी ने टेक बिलियनेयर्स की संपत्ति पर भारी असर डाला। गूगल, टेस्ला, अमेजन और मेटा जैसे दिग्गज कंपनियों के शेयरों में उछाल से अरबपतियों की लिस्ट में बड़ा हलचल मच गया। इंडेक्स के अनुसार, दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में से नौ की संपत्ति एक ही दिन में करीब 65 अरब डॉलर बढ़ गई। ये सभी अमेरिकी टेक उद्योग से जुड़े हैं, जो इस तेजी के प्रमुख लाभार्थी बने।

इस उछाल ने अमीरों की रैंकिंग को हिला दिया। गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने ओरिकल के लैरी एलिसन को पीछे छोड़ दिया। गूगल के शेयर 6 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 318.57 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुए, जिससे पेज को 14.9 अरब डॉलर का सीधा फायदा हुआ। उनकी कुल संपत्ति अब 272 अरब डॉलर हो गई है। इसी तरह, अमेजन के जेफ बेजोस चौथे से पांचवें स्थान पर खिसक गए, जबकि निवेश के दिग्गज वॉरेन बफे टॉप-10 से बाहर हो गए।

सबसे ज्यादा लाभ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को हुआ। टेस्ला शेयरों में 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी से उनकी संपत्ति 19.1 अरब डॉलर उछल गई। अब मस्क की कुल दौलत 441 अरब डॉलर पहुंच गई है, जो उन्हें इस साल के शीर्ष लाभ कमाने वालों में फिर से ला खड़ा किया। मस्क ने कहा कि यह उछाल इलेक्ट्रिक वाहनों और एआई क्षेत्र में बढ़ती मांग का नतीजा है। दूसरे नंबर पर लैरी पेज के बाद गूगल के दूसरे सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन रहे, जिनकी संपत्ति 13.8 अरब डॉलर बढ़कर 254 अरब डॉलर हो गई। लैरी एलिसन को 3.2 अरब डॉलर का फायदा मिला, उनकी कुल संपत्ति 257 अरब डॉलर है, जिसमें इस साल 64.4 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है। अमेजन शेयरों में 2.53 प्रतिशत की बढ़ोतरी से बेजोस की दौलत 5.09 अरब डॉलर चढ़कर 248 अरब डॉलर पहुंची।

मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयर 3 प्रतिशत से ज्यादा ऊपर चढ़े, जिससे मार्क जुकरबर्ग ने 6.49 अरब डॉलर कमाए। उनकी संपत्ति अब 217 अरब डॉलर है। एनवीडिया के शेयरों में 2 प्रतिशत की तेजी से सीईओ जेनसन हुआंग को 3.13 अरब डॉलर का लाभ हुआ, उनकी कुल दौलत 159 अरब डॉलर हो गई। माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर ने 5.87 अरब डॉलर जोड़े, उनकी संपत्ति 165 अरब डॉलर पहुंची। डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल ने 9.42 अरब डॉलर कमाकर 154 अरब डॉलर के साथ दसवें स्थान पर कब्जा जमाया और बफे को बाहर कर दिया। यह तेजी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में टेक सेक्टर की मजबूती को दर्शाती है, लेकिन विशेषज्ञ चेताते हैं कि बाजार की अस्थिरता से ये लाभ अस्थायी हो सकते हैं। फिर भी, टेक बिलियनेयर्स की यह डॉलर की बारिश वैश्विक धन असमानता पर बहस छेड़ रही है।

अफगानिस्तान सोने की खदानों में पैसा लगाएं भारतीय कंपनियां, टैक्स में मिलेगी छूट

-भारत का व्यापारिक दूत अफगान होगा तैनात, दोनों देशों में व्यापार आसान होगा

नई दिल्ली।

भारत में अफगानिस्तान के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी अपनी छह दिन की यात्रा पूरी कर ली। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए गए। भारत का एक व्यापारिक दूत अफगानिस्तान में तैनात होगा जो दोनों देशों के व्यापार को और आसान बनाएगा। साथ ही जो भारतीय कंपनियां या निवेशक अफगानिस्तान के सोने की खदानों में पैसा लगाएंगी, उन्हें पांच साल तक टैक्स में पूरी छूट दी जाएगी। सबसे खास बात ये है कि भारत और अफगानिस्तान के बीच एक एयर कार्गो कॉरिडोर से नया रास्ता खुलेगा। यही मुख्य बातें हैं जो तालिबान शासित अफगानिस्तान के वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने अपनी छह दिन की भारत यात्रा सोमवार को खत्म करते वक्त तय कीं। पिछले हफ्ते भारत आए अजीजी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की थी और भारतीय कारोबारियों से बातचीत की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में अफगान दूतावास में पत्रकारों से बात करते हुए अजीजी ने कहा था कि एक महीने में अफगानिस्तान का व्यापारिक दूत भारत आएगा और काबुल चाहता है कि दोनों देशों का व्यापार एक अरब डॉलर से बहुत ज्यादा हो। उन्होंने कहा कि निजी निवेश के मामले में भारत और अफगानिस्तान दोनों तरफ से बहुत मजबूत रहे। अजीजी ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में पैसा लगाने का ऑफर दिया और कहा कि खदान, खेती, दवा-स्वास्थ्य, आईटी, बिजली और कपड़ा जैसे कई क्षेत्रों में मौका है। उन्होंने बताया कि नए क्षेत्रों में निवेश करने वालों को पांच साल तक टैक्स नहीं देना पड़ेगा। खासकर सोने की खदान में। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन वहां ज्यादा प्रतिद्वंद्वी नहीं मिलेंगे, भारत को जमीन भी देंगे, टैरिफ में छूट देंगे और पांच साल टैक्स माफ करेंगे, ताकि भारतीय कंपनियां आसानी से वहां कारोबार शुरू कर सकें।

छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया

- सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा धीमा रहा

मुंबई ।

सितंबर 2025 की तिमाही में भारत की बड़ी कंपनियों का मुनाफा केवल 1.2 फीसदी बढ़ा, जो पिछले तीन साल में सबसे कमजोर वृद्धि है। बिक्री में भी वृद्धि धीमी रही, केवल 6.4 फीसदी, जो पिछले 17 तिमाहियों में सबसे कम है। नतीजतन, निफ्टी-50 का कुल मुनाफे में हिस्सा घटकर 50 फीसदी रह गया, जो पिछले पांच साल में न्यूनतम है। इस तिमाही में इन कंपनियों ने मिलकर 1.81 ट्रिलियन का मुनाफा कमाया। वहीं देश की बाकी लिस्टेड कंपनियों का कुल मुनाफा 10.8 फीसदी बढ़ा। मिडकैप-150 कंपनियों का मुनाफा 27 फीसदी और स्मॉलकैप-250 का 37 फीसदी बढ़ा। इस तरह छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 2,647 कंपनियों का मुनाफा 3.62 ट्रिलियन तक पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, इस तिमाही में अधिक कमाई ऊर्जा, धातु, सीमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, मटेरियल और ऑटो जैसे चक्रीय सेक्टर्स से हुई। निफ्टी-50 में इन सेक्टरों की कंपनियां कम हैं। इसके बजाय, बड़ी कंपनियों में बैंक, आईटी, एफएमसीजी और तेल-गैस जैसी सेक्टर अधिक हैं, जिनकी वृद्धि इस तिमाही में धीमी रही।

क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट से ट्रंप परिवार को झटका, 8900 करोड़ हुए स्वाहा

-एरिक ट्रंप बोले- गिरावट कभी बुरी नहीं होती, यह बेहतरीन खरीदारी का मौका होती है

वाशिंगटन।

कुछ समय से क्रिप्टोकरेंसी में आई गिरावट ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को झटके मिल रहे हैं। ट्रंप परिवार ने क्रिप्टो का बड़ा पेरोकार है। अब वही क्रिप्टो बाजार उनके समर्थकों के सामने एक कड़वा सबक बनकर खड़ा है। ट्रंप परिवार की कमाई उनकी घोषित संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा कम समय में ही हवा हो चुका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परिवार की कुल संपत्ति सितंबर की शुरुआत में 7.7 अरब डॉलर थी, जो अब घटकर 6.7 अरब डॉलर पर आ गई है यानी करीब 1 अरब डॉलर का नुकसान। ट्रंप परिवार को तो एक अरब डॉलर का ही नुकसान हुआ है पूरी दुनिया में इस क्रैश ने निवेशकों का 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान कर दिया है। अगस्त से अब तक ट्रंप के नाम से जुड़े मीम कॉइन की कीमत करीब 25फीसदी गिरी है। हालत यह है कि जिसने भी इस मीमकॉइन को इसके लॉन्चिंग के सप्ताह भर बाद खरीदा, वह अब करीब अपना पूरा निवेश गंवा चुका है। ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप की जिस बिटकॉइन माइनिंग कंपनी में हिस्सेदारी है, उसकी वैल्यू अपनी ऊंचाई से करीब आधी रह गई है। वहीं ट्रंप की सोशल मीडिया कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप, जिसने इस साल बिटकॉइन में भारी निवेश किया था, उसके शेयर भी अपने रिकॉर्ड निचले स्तर के आसपास आ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक एरिक ट्रंप क्रिप्टोकरेंसी के कट्टर समर्थक हैं। वह लगातार समर्थकों से कहते रहे हैं कि गिरावट कभी बुरी नहीं होती, बल्कि एक बेहतरीन खरीदारी का मौका होती है। जो लोग उतार-चढ़ाव का स्वागत करते हैं,

वे ही असली विजेता बनते हैं, लेकिन उनकी ये सलाह अब निवेशकों के लिए मुसीबत बन गई है। ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप, जो ट्रूथ सोशल चलाती है, ने गलत समय पर क्रिप्टो की दुनिया में बड़ा दांव लगाया। कंपनी ने करीब 2 बिलियन डॉलर बिटकॉइन और उससे जुड़े सिक्योरिटीज में लगाए थे। उस समय बिटकॉइन की कीमत करीब 115,000 डॉलर थी। अब कीमत करीब 25फीसदी नीचे है, जिससे कंपनी नुकसान में चली गई। कंपनी ने सिंगापुर से जारी सीआरओ टोकन भी बड़ी मात्रा में खरीदे थे, जिसकी कीमत अब आधी रह गई है। इसका सीधा असर ट्रंप की अपनी हिस्सेदारी पर भी पड़ा, जिसकी कीमत सितंबर से अब तक करीब 800 मिलियन डॉलर घट गई है।

एआई लॉन्चिंग से लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

- पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल की उथल-पुथल के बीच गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने नया एआई मॉडल जे मिनी 3 लॉन्च होते ही ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। लॉन्च के बाद अल्फाबेट के शेयरों में 3 फीसदी की तेजी आई, जिससे पेज की नेटवर्थ में 7.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और उनकी संपत्ति 257 अरब डॉलर तक पहुंच गई। लैरी पेज के पार्टनर सर्जेई ब्रिन की नेटवर्थ में 6.9 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, और उनकी कुल संपत्ति 240 अरब डॉलर हो गई। दोनों संस्थापकों ने 1998 में गूगल की शुरुआत एक छोटे गैराज से की थी और आज एआई के दम पर कंपनी फिर से तेजी पकड़ रही है। विश्लेषकों का कहना है कि जे मिनी 3 स्टेट-ऑफ-द-आर्ट एआई मॉडल है, जो गूगल के प्रोडक्ट्स में बड़ा बदलाव ला सकता है। इस लॉन्च ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और अगले महीनों में और शेयर मूवमेंट की उम्मीद है। दुनिया के अरबपतियों की टाप-10 सूची में पहले नंबर पर एलन मस्क, दूसरे पर लैरी पेज, तीसरे नंबर पर लैरी एलिसन, चौथे जेफ बेजोस, पांचवे सर्जेई ब्रिन, छठवे मार्क जुकरबर्ग, सातवे बर्नार्ड अर्नाल्ट, आठवे स्टीव बाल्मर, नौसे जेन्सन हुआंग और 100वे नंबर पर वॉरेन बफेट का नाम शा मिल है।

बजाज ऑटो ने ई-रिक्शा 'रिकी' के साथ किया बड़े पैमाने पर विस्तार

- पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंची

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने इस साल अपने नए इलेक्ट्रिक रिक्शा 'रिकी' के साथ ई-रिक्शा खंड में कदम रखा है। कंपनी ने शुरू में चार शहरों में पायलट परीक्षण किया था। अब पहले चरण के तहत इसकी उपस्थिति आठ शहरों तक पहुंच चुकी है, जिनमें पटना, मुरादाबाद, गुवाहाटी और रायपुर शामिल हैं। कंपनी अगले साल जनवरी से मार्च तक 'रिकी' को 200 शहरों और कस्बों तक ले जाने की योजना बना रही है। बजाज ऑटो के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार शुरुआती चरण में ग्राहक प्रतिक्रिया देखी जाएगी। इसके आधार पर मात्रा और उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पहले चरण में बजाज ऑटो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के कई शहरों और कस्बों को लक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले तीन-चार महीनों में कंपनी केवल शुरुआत कर रही है, उसके बाद विस्तार की गति तेज होगी। 'रिकी' की कीमत 1.9 लाख रुपये है। कंपनी का कहना है कि यह पारंपरिक लेड-एसिड बैटरी वाले ई-रिक्शा की तुलना में अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है। एक बार चार्ज करने पर यह 140 किलोमीटर तक चल सकता है।

बजाज ऑटो ग्राहक प्रतिक्रिया के आधार पर उत्पादन और वितरण बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है, जिससे यह ई-रिक्शा खंड में एक मजबूत मौजूदगी बना सके।

कच्चे तेल में गिरावट से रुपया 11 पैसे मजबूत, 89.05 डॉलर पर पहुंचा

डॉलर की मजबूती से दबाव बरकरार, विदेशी मुद्रा बाजार में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर मंगलवार को भारतीय मुद्रा बाजार में दिखाई दिया, जहां रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की मजबूती के साथ 89.05 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.02 पर खुला और शुरुआती दौर में हल्की बढ़त दर्ज करते हुए 89.05 के स्तर पर पहुंचा। विश्लेषकों के अनुसार कच्चे तेल की नरम कीमतें रुपये को सहारा दे रही हैं, हालांकि डॉलर की वैश्विक मजबूती रुपये पर दबाव बनाए हुए है। सोमवार को घरेलू मुद्रा 50 पैसे बढ़कर 89.16 पर बंद हुई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती मापने वाला डॉलर इंडेक्स 0.06 फीसदी बढ़कर 100.13 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.33 फीसदी टूटकर 63.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं में हलचल बढ़ी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टेस्ट सीरीज में वापसी की आस पर पानी फिरा, भारत को मिला 549 रनों का महा-लक्ष्य, मुश्किल में टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा दिए गए 549 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 21 रन पर दो विकेट गंवा दिए। टेस्ट सीरीज़ में 1-0 से पिछड़ रही भारतीय टीम के सामने कल एक कठिन चुनौती है क्योंकि टेस्ट के आखिरी दिन उसके पास केवल आठ विकेट ही बचे हैं। भारत ने चौथे दिन के आखिरी सत्र में विकेट गंवाए और गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच के आखिरी दिन दक्षिण अफ्रीका की स्थिति मजबूत है।

चौथे दिन स्टंप्स तक भारत का स्कोर 27/2 था, जिसमें कुलदीप यादव (4*) और साई सुदर्शन (2*) नाबाद थे। मेज़बान टीम को दो मैचों की सीरीज़ 1-1 से बराबर करने के लिए पाँचवें दिन 522 रनों की ज़रूरत है। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 26/0 से की और लंच तक 220/4 रन बनाकर ट्रिस्टन स्टब्स (60*) और वियान मुल्डर (29*) स्ट्राइक पर थे।

लंच के बाद के सत्र में नीतीश कुमार रेड्डी ने पहला चौका तब दिया जब स्टब्स ने 74वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्हें चार चौके जड़े। स्टब्स ने आक्रामक रुख अपनाया और 76वें ओवर में रेड्डी के खिलाफ लगातार दो चौके लगाए। 78वें ओवर में, प्रोटियाज़ बल्लेबाज़ ने रवींद्र जडेजा की गेंद पर डीप मिड-विकेट की बाउंड्री के ऊपर से एक गगनचुंबी छक्का जड़ा। 78वें ओवर की तीसरी गेंद पर, स्टब्स, जो अपने शतक की ओर बढ़ रहे थे, जडेजा की गेंद पर बोल्ड हो गए, जिन्होंने 180 गेंदों में 94 रन बनाए।

स्टब्स के आउट होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने 260/5 पर अपनी पारी घोषित करने का फैसला किया और उन्होंने 549 रनों का मुश्किल लक्ष्य रखा। यह दूसरी बार है जब भारत को घरेलू टेस्ट में 500 से ज़्यादा रनों का लक्ष्य दिया गया है। इससे पहले 2004 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को जीत के लिए 543 रनों का लक्ष्य दिया था। वह मैच वे 342 रनों से हार गए थे, जो रनों के लिहाज़ से उनकी सबसे बड़ी हार है। भारतीय सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल और यशस्वी बल्लेबाज़ी करने उतरे। जायसवाल ने एक चौका और एक छक्का लगाकर आक्रामक रुख़ दिखाया, जबकि राहुल ने सतर्कता से शुरुआत की।

'दीप्ति शर्मा डब्ल्यूपीएल मेगा नीलामी में सबसे ज़्यादा डिमांड वाली खिलाड़ी होंगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे टीमें टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तैयारी कर रही हैं और अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं, सभी की नजरें भारत की टॉप ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और भरोसेमंद बैट्समैन हरलीन देओल पर हैं, जो उनकी लाइन-अप को मजबूत करेंगी। जियो हॉटस्टार के शो 'मोस्ट वांटेडः टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन' में एक्सपर्ट अंजुम चोपड़ा और वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड असर और हरलीन देओल की वैल्यू को खास भारतीय खिलाड़ियों के तौर पर बताया, जिन पर हर फ्रेंचाइजी करीब से नजर रखेगी।

अंजुम चोपड़ा ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, 'गुजरात जायंट्स को मेगा-ऑक्शन में दीप्ति शर्मा पर जरूर विचार करना चाहिए। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हें एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में टारगेट कर सकती है जो बैटिंग और बॉलिंग दोनों को मजबूत करती है। गुजरात और दिल्ली के बाद यूपी वॉरियर्स उनकी सर्विस लेने में दिलचस्पी रखने वाली तीसरी टीम हो सकती है।'

गुजरात जायंट्स द्वारा हरलीन देओल को रिलीज किए जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे हैरानी है कि गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल को रिलीज किया। वह एक मल्टी-टैलेंटेड भारतीय खिलाड़ी है जो थोड़ी बॉलिंग भी कर सकती है, और मुझे उम्मीद है कि वह अपनी बॉलिंग स्किल्स को और डेवलप करेगी। ऑक्शन में उसमें अच्छी दिलचस्पी होगी। दीप्ति शर्मा के साथ, वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी होगी जिसे हर फ्रेंचाइजी टारगेट करेगी क्योंकि टीमें मजबूत भारतीय बैट्समैन और संभावित लीडरशिप ऑप्शन चाहती हैं।'

वेदा कृष्णमूर्ति ने दीप्ति शर्मा की स्किल्स की तारीफ की और बताया कि मेगा नीलामी में वह सबसे ज़्यादा डिमांड वाली प्लेयर क्यों होंगी। उन्होंने कहा, 'दीप्ति शर्मा पिछले डब्ल्यूपीएल सीजन से एक जानी-मानी मैच-विनर हैं, उन्होंने बैट और बॉल दोनों से शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता। मेगा-ऑक्शन में उनकी डिमांड जरूर ज़्यादा होगी, और हर फ्रेंचाइज उन पर करीब से नजर रखेगी।% टाटा डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी 27 नवंबर को होगी जिसे जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधे देखा जा सकता है।

शमी की फिर हुई उपेक्षा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त होने का संकेत तो नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की एक बार फिर अनदेखी हुई है। शमी को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। शमी लंबे समय से वापसी के लिए इंतजार रहे थे पर टीम में जगह नहीं मिलने से उनका इंतजार लंबा होता जा रहा है। इससे ये भी अटकलें लगायी जा रही हैं कि शमी अब लगता है चयन समिति की योजनाओं का हिस्सा नहीं रहे हैं। अभी वह घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। हाल ही में शमी ने रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल की ओर से 4 मैचों में 20 विकेट लिए थे और उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए भी जगह मिली थी पर इसके बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पायी है। जिससे कहा जा रहा है उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर समाप्त हो गया है।

ये भी कहा जा रहा है कि जब शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार विकेट ले रहे हैं तो फिर उन्हें टीम में जगह क्यों नहीं मिल रही है। क्या चयन समित उसने अपनी नाराजगी निकला रही है। शमी ने कुछ समय पहले चयन समिति पर सवाल उठाये थे। तब मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने एक कार्यक्रम में बताया था कि उन्हें फिटनेस की वजह से टीम में शामिल नहीं किया जा रहा है। इसके बाद . शमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं और इसी कारण घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया गया है। फिलहाल ये दोनों तेज गेंदबाज टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। ऐसे में शमी को अवसर दिया जाना था पर ऐसा नहीं हुआ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में महाराष्ट्र की कप्तानी करेंगे पृथ्वी शॉ, आईपीएल में वापसी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ एक ऐसा नाम जिसे कभी भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में गिना जाता था और अब अपने करियर को फिर से जीवित करने के निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। बीते कुछ वर्षों में खराब फॉर्म, फिटनेस चुनौतियों और ऑफ-फील्ड विवादों ने उनकी प्रगति को गहरी चोट पहुंचाई। लेकिन 2025-26 घरेलू सीजन से पहले महाराष्ट्र में शिफ्ट होकर शॉ ने अपने लिए नई शुरुआत का रास्ता चुना है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उनके लिए वह मंच बन सकती है, जहां वे दोबारा साबित कर सकते हैं कि उनका टैलेंट अब भी उतना ही खतरनाक है।

पृथ्वी शॉ की नई शुरुआत : बदलाव जिसने सबका ध्यान खींचा

मुंबई क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे पृथ्वी शॉ ने पहली बार अपने घरेलू करियर की दिशा बदलते हुए महाराष्ट्र को चुना। यह कदम न केवल उनकी संघर्षपूर्ण यात्रा का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे एक स्वच्छ शुरुआत और बेहतर अवसर की तलाश में हैं। वर्षों की अस्थिरता और टीम चयन में लगातार गिरावट के बाद यह बदलाव उनके करियर का अहम मोड़ माना जा रहा है।

SMAT: करियर को पटरी पर लाने का सुनहरा मौका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT), जो टी20 फॉर्मेट में भारत के सबसे बड़े घरेलू टूर्नामेंटों में से एक है, शॉ के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। कल से शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट उनके लिए सिर्फ रन बनाने का अवसर नहीं, बल्कि यह दिखाने का मंच है कि वे वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। IPL 2025 के मिनी ऑक्शन को देखते हुए हर पारी, हर रन और हर स्ट्राइक-रेट उनकी बोली पर सीधा प्रभाव डालेगा।

IPL ऑक्शन में झटका और अब उम्मीद की नई किरण

पिछले साल के IPL ऑक्शन में किसी भी टीम ने पृथ्वी शॉ पर बोली नहीं लगाई। यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर झटका नहीं, बल्कि एक संकेत था कि उनके मार्केट वैल्यू में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अब उनकी नज़र SMAT में दमदार प्रदर्शन पर है। अगर वे अपनी पुरानी आक्रामक बैटिंग शैली और कंसिस्टेंसी वापस लेकर आते हैं, तो IPL टीमों का ध्यान उनकी ओर लौट सकता है, खासकर वे फ्रेंचाइजी जो भारतीय ओपनर की तलाश में हैं और विदेशी स्लॉट बचाना चाहती हैं।

लीडरशिप की जिम्मेदारी

इस बार पृथ्वी शॉ को सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि कप्तान की भूमिका भी निभानी है। रुतुराज गायकवाड़ राष्ट्रीय टीम के लिए चयनित होने के कारण महाराष्ट्र की कप्तानी ग्रुप स्टेज तक शॉ को सौंपी गई है। यह भूमिका उनके व्यक्तित्व, मैच्योरिटी और गेम अवेयरनेस को उजागर करने

का शानदार मौका है, वे गुण जिन्हें IPL टीमें बहुत महत्व देती हैं।

दिल्ली कैपिटल्स से शुरुआत और विस्फोटक IPL रिकॉर्ड

शॉ ने IPL में अपने सातों सीजन दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेले, जहां उन्होंने 1,892 रन बनाए और 147 की स्ट्राइक-रेट से गेंदबाजों पर हावी रहे। पावरप्ले में तेज शुरुआत दिलाने की उनकी क्षमता आज भी कई टीमों के लिए अमूल्य है। अगर वे पुराना फ्लो वापस पाते हैं, तो IPL 2026 से पहले उनका क्रिकेट करियर दोबारा नई उड़ान पकड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन वाइल्ड कार्ड प्लेऑफ में सुमित नागल की जीत के साथ शुरूआत

चेंगडू । भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2.6, 6.0, 6.2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिये पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे । नागल को शुरूआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई। उनका आवेदन खारिज होने के बाद उन्हें चीनी अधिकारियों से सार्वजनिक तौर पर अपील करनी पड़ी। बाद में मसला सुलझने पर वह यहां आ सके । अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त बू युंचाओकेते और जिजियांग यांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

भारत में खेलकर उत्साहित हैं मुथुसामी

नई दिल्ली । गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाने दक्षिण अफ्रीका टीम के भारतीय मूल के ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी ने कहा है कि भारत में खेलकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। मुथुसामी ने कहा है कि साल 2019 में भारत दौरे के बाद उन्हें लगा था कि अब उन्हें यहां कभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई अवसर फिर कभी नहीं मिल पाएगा क्योंकि तब वह दो विकेट ही ले पाये थे। इसलिए वह इस बार के भारत दौरे से बेहद उत्साहित हैं। अब 6 साल बाद मुथुसामी ने भारत दौरे में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। उन्होंने कहा कि उपमहाद्वीप के हालातों को हमने बेहतर ढंग से सामझा है। मुथुसामी ने इस साल पाकिस्तान दौरे में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में ही 11 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली जब टीम ने 201 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। मुथुसामी ने कहा, 'मेरी यात्रा अलग प्रकार की रही है। साल 2019 में भारत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया पर अधिक सफलता नहीं मिली हालांकि क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।' उन्होंने कहा, 'लेकिन 2019 के बाद मुझे भरोसा नहीं था कि मैं कभी टेस्ट क्रिकेट खेल पाऊंगा। और भारत में खेलने के बारे में तो बिल्कुल भी भरोसा नहीं था। ' मुथुसामी ने कहा, ' मैं बस उस समर्थन के लिए आभारी हूं जो मुझे कोचों, परिवार और सहयोगी स्टाफ से मिला।' साल 2019 की पदार्पण सीरीज के बाद उन्हें चार साल बाद टीम में जगह मिली। इस बीच उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सुल्तान अजलान शाह कप : बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से हारा भारत

इपोह (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अजलान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी केर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टार्ट के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंट फुट पर की और मौके की तलाश में अच्छे पास दिए। हालांकि, बेल्जियम ने खेल के दौरान बढ़त बना ली, और रोमन डुवेकोट के गोल की मदद से पवन की रुकावट को तोड़ दिया। तुरंत जवाब की तलाश में, दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक अच्छा मूव पूरा किया लेकिन खतरनाक खेल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। भारत के ज़ोर लगाने और जांच करने के बावजूद, बेल्जियम ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शुरुआत से ही जोरदार शुरुआत की और अभिषेक के शानदार मूव को गोल में बदलकर बराबरी हासिल की।

मोमेंटम के साथ भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया। हालांकि, निकोलस डी केर्पेल (45') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को बढ़त वापस दिला दी। उन्होंने जल्द ही अपनी बढ़त बढ़ा ली, चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट ने गोल करके बेल्जियम को कुछ राहत दी। भारत ने एक बार फिर तुरंत जवाब देने की कोशिश की और 10 मिनट से भी कम समय में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब पहुंच गया।

शिलानंद लाकड़ा ने कुछ देर बाद रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके भारत को उम्मीद की एक किरण दी। जब मैच खत्म होने में 90 सेकंड बाकी थे, मोहित एचएस ने शानदार स्टॉप लगाकर बेल्जियम को चौथा गोल करने से रोक दिया और भारत को रेस में बनाए रखा। हालांकि, इस कड़े मुकाबले में भारत बराबरी का गोल नहीं कर पाया। पांच बार का सुल्तान अजलान शाह कप विजेता भारत अब बुधवार को मेजबान मलेशिया से खेलेगा।

विराट को टेस्ट नहीं एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था : श्रीवत्स गोस्वामी

गुवाहाटी । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेटर खेलना जारी रखना था। गोस्वामी ने कहा कि विराट को टेस्ट की जगह पर एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। गोस्वामी ने कहा है कि और एकदिवसीय से संन्यास लेना चाहिये था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले श्रीवत्स ने सोशल मीडिया में कहा कि विराट को टेस्ट क्रिकेट नहीं छोड़ना चाहिए था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम इंडिया की खराब बल्लेबाजी के बाद गोस्वामी ने कहा कि कोहली का टेस्ट से अचानक संन्यास लेना भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहा है। गोस्वामी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, मेरा मानना है कि विराट को एकदिवसीय खेलना छोड़ देना चाहिए था और टेस्ट क्रिकेट तब तक खेलते रहना चाहिए था, जब तक कि उनका फार्म बरकरार था। एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी ऊर्जा, भारत के लिए खेलने का प्यार और जुनून टीम को हर हाल में जीतने को प्रौत्साहित करता है। गोस्वामी ने साथ ही लिखा, विराट के अंदर जीतने की जो मानसिकता और जोश था, वह वर्तमान टीम में नहीं है। गौरतलब है कि कोहली का कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में काफी अच्छा रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 68 टेस्ट मुकाबलों में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए 40 मुकाबले जीते जबकि 17 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी। विराट ने इस साल 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। कोहली ने अंतिम बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खेली थी जिसमें वह केवल एक शतक ही लगा पाए थे। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले अचानक ही संन्यास ले लिया था।

रोहित और विराट की जोड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में बनाएगी रिकार्ड

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में प्रशंसकों को विराट और रोहित को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। अब 30 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रोहित और विराट की जोड़ी सबसे अधिक मैच खेलने का एक नया रिकार्ड अपने नाम करेगी। रोहित और विराट ने अभी तक 391 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। किसी जोड़ी के यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेल सबसे अधिक मैच हैं। रोहित और कोहली के अलावा सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने भी इतने ही मैच खेले थे। ऐसे में जब रोहित और विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय खेलने मैदान पर उतरेंगे तो वह तेंदुलकर और द्रविड़ के इस रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। रोहित-कोहली की जोड़ी इस मैच में उतरते ही भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली जोड़ी बन जाएगी। सचिन और सौरव गांगुली की जोड़ी 341 मैचों में एकसाथ उतरी थी। वहीं सचिन और अजहर की जोड़ी 292 मैचों में उतरी। विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी की जोड़ी 285 मैचों में उतरी।

पलाश की बहन बोली , मंधाना और हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें

इंदौर । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने के कारण उनकी शादी टल गयी है। इसी मामले को लेकर अब स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की बहन पलक ने लिखा है कि शादी टल गयी है। इस संवेदनशील समय में हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें। स्मृति की शादी का कार्यक्रम रविवार को था पर उनके पिता को सीने में दर्द के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा जिसके बाद स्मृति के पिता को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और शादी की तैयारियां रोक दी गयीं। इसके बाद स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई, जिसके बाद उन्हें भी अस्पताल ले जाना पड़ा हालांकि कुछ समय में इलाज के बाद वह होटल लौट आये। .पलाश को वायरल संक्रमण और एसिडिटी बढ़ने के कारण एक निज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद पलाश को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर नमन शाह ने बताया कि उनकी सेहत की निगरानी के लिए मेडिकल टीम तैनात है। अगर उनकी तबीयत में जरूरी सुधार होता है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। अचानक आई इन मुसीबतों से परिवार उबर रहा है और चाहता है कि इन क्षणों में उसकी निजता का सम्मान किया जाये।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : सुरेश रैना ने गौतम गंभीर का किया बचाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है।

दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा, 'गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा। उनके नेतृत्व में हम सीमित ओवरों के प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां हमने इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और दुबई में एशिया कप जीता था।'

'भारतीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट लीग' के जर्सी लॉन्च के मौके पर इसके ब्रांड एम्बेस्डर रैना ने कहा, 'रन तो खिलाड़ियों को ही बनाने होंगे। कोच मार्गदर्शन और सलाह ही दे सकता है।' रैना ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि घरेलू टेस्ट मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण मुख्य कोच के रूप में गंभीर का भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को अगर कोई समस्या आ रही है, तो उन्हें कोच से इस बारे में बात करना चाहिए। खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोच की भी सराहना की जाएगी। लेकिन टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, तो कोच को उसके पद से बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'मैं गौतम भैया के साथ खेला हूं, उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम से प्यार है, उन्हें क्रिकेट से प्यार है, मैंने उनके साथ विश्व कप खेला है और जीता भी है। उन्होंने देश के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और अच्छा प्रदर्शन करना खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है।' मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम के चयन से जुड़े फैसलों की आलोचना पर रैना ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन ही मानक बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को नियमित रूप से घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए और वहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, अगर वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में अपने आप दिखाई देगा।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में खिलाड़ियों के लिए तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से सामंजस्य बिठाना काफी चुनौतीपूर्ण है। व्यस्त कार्यक्रम का असर प्रदर्शन पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'इस श्रृंखला के लिए बेहतर योजना बनाई जा सकती थी क्योंकि खिलाड़ियों को सफेद गेंद (सीमित ओवर) प्रारूप से लाल गेंद (टेस्ट) प्रारूप में ढलने का काफी कम समय मिला।'

रैना ने कहा कि वह 30 नवंबर से शुरू होने वाली दोनों टीमों के बीच वनडे श्रृंखला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें टीम को बेहद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का साथ मिलेगा। उन्होंने कहा, 'रो-को (रोहित शर्मा और विराट कोहली)' जरूर वापसी करेंगे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे टीम को जरूर मजबूत करेंगे। ये दोनों विश्व और भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन दूत हैं। जब वे टीम में होंगे तो माहौल अलग होगा, ऋषभ पंत भी कुछ समय बाद वापसी कर रहे हैं, इसलिए वनडे श्रृंखला देखना मजेदार होगा।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया: पोप ने की अपहरणकर्ताओं के कैद में 253 छात्र और 12 शिक्षक की रिहाई की अपील

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के एक कैथोलिक स्कूल से किडनैप हुए 303 स्कूली बच्चों में से 50 कैद से भाग निकले हैं। स्कूल अथॉरिटी ने रविवार को कहा अब अपने परिवारों के पास हैं। जबकि पोप ने अभी भी लापता बच्चों को तुरंत छोड़ने की अपील की है। क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के चेयरमैन और स्कूल के संचालक मोस्ट रेव. बुलुस दौवा योहाना ने बताया कि अब भी 253 छात्र और 12 शिक्षक अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी माता-पिता से संपर्क और मुलाकात के बाद पक्की हुई।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही, 19 हजार प्रभावित

डार्विन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही। मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, 7 गिरफ्तार

मनीला, एजेंसी। फिलिपींस में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि इस घोटाले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई अन्य की तलाश जारी है। इस मामले में शक्तिशाली सांसद और सरकारी अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। भ्रष्टाचार के कारण गरीब इलाकों में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएँ अधूरी या निम्न गुणवत्ता की बन रही थीं। इस घोटाले में जाल्डी को, पूर्व सांसद, और कुछ सरकारी इंजीनियर भी आरोपी हैं। पहले मामले में ओरिएंटल मिनडोरो प्रांत की नदी की ढाई करोड़ पेसो की डाइक परियोजना में अनियमितताएं मिलीं। मार्कोस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक को क्यूज़ोन सिटी में एक घर से गिरफ्तार किया गया, जबकि छह अन्य स्वयं पुलिस के सामने आए। राष्ट्रपति ने बाकि संदिग्धों से आग्रह किया है कि वे भी जल्द आत्मसमर्पण करें। उन्होंने कहा कि हम रुकेंगे नहीं, जांच जारी रहेगी।

काठमांडू में नेपाल प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी करते 8 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने रविवार को नेपाल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट पर सट्टा लगाने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी त्रिभुवन यूनिवर्सिटी स्टेडियम में खेले जा रहे मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे। पकड़े गए सभी युवक आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 19 से 35 साल के बीच है। वे काठमांडू के समाखुसी इलाके में किराए के मकान में रह रहे थे। काठमांडू वैली क्राइम इन्वेस्टिगेशन ऑफिस के प्रवक्ता, पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य ने बताया कि यह समूह टूर्नामेंट पर करीब 5 लाख नेपाली रुपए (लगभग 3 लाख भारतीय रुपए) का अवैध सट्टा लगा रहा था। सूचना मिलने के बाद एक विशेष पुलिस टीम ने उन्हें स्टेडियम के पास बल्कू इलाके से रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 15 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

बहुत शानदार होगा राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा: उशाकोव

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय व आवास क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आगामी भारत दौरा बहुत शानदार और कामयाब होगा। रूसी सरकारी टीवी वीजीटीआरके के साथ बातचीत में उशाकोव ने कहा, रूसी और भारतीय पक्ष दौरे की पूरी तैयारी कर रहे हैं। यह एक बहुत शानदार दौरा होगा।

नेपाल में आम चुनाव के लिए अब तक 56 दलों का पंजीकरण

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 56 राजनीतिक दल अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत 12 और दलों ने पंजीकरण कराया। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल के निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नए चुनाव की घोषणा के बाद उभरी कई नई पार्टियों सहित आयोग में कुल 132 दल पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 56 ने आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक पंजीकरण कराया है।

वेनेजुएला में सुरक्षा हालात बिगड़े, एफएए की चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

कारकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा रहा है। शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य विकल्पों को खुला रखते हुए बी-52 परमाणु-सक्षम बॉम्बर का 'अटैक डेमो' करवाया। इससे पहले यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड विमानवाहक पोत सहित कई युद्धपोत कैरेबियन क्षेत्र में तैनात कर चुका है। इस बीच अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को लेकर अलर्ट जारी किया। वहीं अब रविवार (23 नवबंर) को कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला की उड़ानें रद्द कर दी है।

छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने उड़ान सेवा रोकी

संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से दक्षिण अमेरिकी देश के आसपास बढ़ी हुई सैन्य गतिविधि के कारण 'संभावित खतरनाक स्थिति' के बारे में प्रमुख एयरलाइनों को चेतावनी दिए जाने के बाद छह अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें निलंबित कर दी हैं। वेनेजुएला एयरलाइंस एसोसिएशन की अध्यक्ष मारिसेला डी लोआइजा के हवाले से बताया गया है कि स्पेन की इबेरिया, पुर्तगाल की टीएपी, चिली की लैटम, कोलंबिया की एवियनका, ब्राजील की जीओएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की कैरिबियन एयरलाइंस ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें रोक दी हैं।

अमेरिकी चेतावनी और सैन्य तैनाती

मारिसेला दे लोआइजा के मुताबिक इन छह प्रमुख विदेशी एयरलाइनों ने अपनी सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए रोक दी हैं। वहीं तुर्किश एयरलाइंस ने 24 से 28 नवंबर तक उड़ानें निलंबित करने की घोषणा की है। उड़ानों पर रोक ऐसे समय लगाई गई है, जब अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ गया है। वाशिंगटन ने अपने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत कैरिबियन में सैनिकों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को भी तैनात कर दिया है। हालांकि, कराकस इस अभियान को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश बता रहा है।

अमेरिकी सेना ने कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र में कथित ड्रग नौकाओं पर कम से कम 21 हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 83 लोग मारे गए हैं। इस बीच कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए चिंता जताते हुए कहा कि सभी लैटिन अमेरिकी देशों के बीच नियमित उड़ानें जारी रहनी चाहिए। उन्होंने लिखा, 'देशों पर रोक लगाना, वास्तव में लोगों पर रोक लगाने जैसा है, और यह मानवता के खिलाफ अपराध है।'

एफएए की कड़ी चेतावनी

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की ओर से चेतावनी में कहा था कि वेनेजुएला में 'अनिर्दिष्ट खतरे' मौजूद हैं, जो देश के ऊपर उड़ रहे विमानों, लैंडिंग और टेकऑफ कर रहे विमानों व जमीन पर खड़े विमानों तक के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

पाकिस्तान के पेशावर में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर धमाके, आत्मघाती हमले में तीन जवानों की मौत

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को संघीय पुलिस दल (कॉन्स्टेबुलरी) के मुख्यालय पर हमला हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यालय के पास कई धमाकों की आवाज सुनी गई, जिसके बाद इलाके को खाली करा लिया गया है।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में शामिल आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया गया है। इस घटना में पुलिस दल के तीन जवानों की मौत हुई है। इसके अलावा दो घायल हुए हैं। पाकिस्तान की द डॉन वेबसाइट के मुताबिक, हमला सुबह करीब 8 बजे सद्दार-कोहत सड़क पर हुआ। पहले एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को मुख्यालय के गेट पर ही उड़ा लिया। इसके बाद कुछ फायरिंग की आवाजें भी सुनी गईं।

इस दौरान एक और हमलावर मुख्यालय में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि, उसे सुरक्षाबलों ने मार गिराया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और राहत-बचाव अभियान शुरू किया। इस बीच पेशावर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल लेडी रीडिंग हॉस्पिटल में आपातकाल घोषित कर दिया गया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि छह घायलों को को लाया गया है, जिनकी हालत स्थिर है। बताया गया है कि जिस संघीय पुलिस दल पर हमला हुआ है, उसे नागरिक अर्धसैनिक बल है, जिसे पहले फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी कहा जाता था। इसी साल जुलाई में शहबाज शरीफ की सरकार ने इसका नाम फेडरल कॉन्स्टेबुलरी रखा था। पेशावर में जिस जगह पर इसका मुख्यालय है, वह जगह काफी भीड़भाड़ वाले इलाके में है। साथ ही सैन्य छावनी भी यहां से काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में बीते कुछ वर्षों में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में। इन हमलों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ पाकिस्तान सरकार का शांति समझौता टूटना रहा है।

पाकिस्तान में पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर बंदूकधारियों ने किया हमला, 3 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को बंदूकधारियों ने पैरामिलिट्री फोर्स के हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि कैंपस पर 2 आत्मघाती हमलावरों ने भी विस्फोट किया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, 'पहले आत्मघाती हमलावर ने मेन गेट पर विस्फोट किया, जबकि दूसरा हमलावर परिसर के अंदर घुस गया।' सीनियर अधिकारी ने कहा, 'सेना और पुलिस की टीमों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। फिलहाल स्थिति को सावधानी से संभाला जा रहा है क्योंकि हमें संदेह है कि मुख्यालय के अंदर अभी भी कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। उनकी तलाशी की जा रही है।' इससे पहले, गुरुवार रात पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उग्रवादियों ने पीस कमेटी के कार्यालय पर हमला किया। 2 सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि बंदूकधारियों ने बन्नू जिले के दारा दरिज इलाके में कमेटी के कार्यालय पर हमला किया और पीस कमेटी के प्रमुख कारी जलील के दफ्तर को निशाना बनाया।

वियतनाम में भारी बारिश से 90 की मौत, हजारों घर डूबे

हनोई, एजेंसी। द्व वियतनाम के पहाड़ी इलाकों में इस महीने की शुरुआत से हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हजारों घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें डाक लाक प्रांत में सर्वाधिक 63 की मौतें हुई हैं, जबकि खान होआ में 14 और लाम डोंग में पांच मौतें दर्ज की गईं। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, भूस्खलन के कारण 12 से ज्यादा लोग लापता हैं। सड़कें बाधित होने से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

पाकिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसे : स्वाबी और कराची में छह लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारी बयान के हवाले से मिली है। स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) में एक बड़ा हादसा तब हुआ जब पेशावर से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर नदी के पास गहरी खाई में गिर गई।

44 दिनों में 500 बार टूटा गाजा युद्धविराम! इस्राइल की कार्रवाई में 300 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में लागू किए गए गाजा युद्धविराम को इस्राइल ने पिछले 44 दिनों में लगभग 500 बार तोड़ा है, जिसमें सैकड़ों फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। यह दावा गाजा सरकार के मीडिया ऑफिस ने किया है, जिसकी रिपोर्ट अल जजीरा ने प्रकाशित की। जारी बयान के मुताबिक, 342 फलस्तीनी नागरिक युद्धविराम उल्लंघनों में मारे गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित रहे। सिर्फ शनिवार को ही इस्राइल की ओर से 27 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की मौत और 87 से ज्यादा लोग घायल हुए।

युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन : गाजा मीडिया ऑफिस ने इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून और युद्धविराम समझौते का खुला उल्लंघन है। बयान में कहा गया कि इन हमलों और नाकेबंदी के चलते इस्राइल मानविक और सुरक्षा स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस्राइल अब भी गाजा में मानवीय सहायता और मेडिकल सप्लाई के प्रवेश पर कड़ी पाबंदी लगाए हुए है, जबकि युद्धविराम समझौते में इसकी अनुमति दी गई थी।

हालिया हमले में 24 फलस्तीनी मारे गए : शनिवार को इस्राइल ने गाजा के कई इलाकों पर हवाई हमले किए, जिनमें बच्चों सहित 24 फलस्तीनी मारे गए। इस्राइल ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब एक हमास लड़ाके ने तथाकथित येलो लाइन के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। इस्राइल ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई में 5 वरिष्ठ हमास लड़ाकों को मार गिराया। हालांकि, हमास ने इस्राइल के इस दावे को चुनौती देते हुए सबूत पेश करने की मांग की है। हमास नेता इज़्ज़त अल-रिशेक ने कहा कि अमेरिका और समझौते के मध्यस्थ इस्राइल पर दबाव डालें, ताकि वह युद्धविराम समझौते का पालन करे। उधर, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में कई फिलिस्तीनी परिवार फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्राइली सेना समझौते के विपरीत अपनी तैनाती और अंदर बढ़ाती जा रही है।

सरकारी खर्चों को घटाने के लिए ट्रंप का बनाया डीओजीई विभाग 10 महीने बाद बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। सरकारी खर्च को कम करने के उद्देश्य से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बनाया गया सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) अब बंद हो गया है। यह विभाग उसके कार्यकाल के आठ महीने शेष रहते ही भंग कर दिया गया है, जबकि इसका उद्देश्य जुलाई 2026 तक चलना था। डीओजीई ट्रंप की सरकार को छोटा करने और खर्च कम करने का एक बड़ा कदम माना जा रहा था, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इससे बहुत ज्यादा बचत नहीं हो पाया है। मामले में अमेरिकी कर्मचारियों के मामलों के प्रमुख स्कॉट कुपर ने बताया कि अब डीओजीई कोई केंद्रीय विभाग नहीं रहा। इसके कुछ काम अब कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम) कर रही है। बता दें कि डीओजीई जनवरी में शुरू हुआ था। शुरू में यह पूरे वॉशिंगटन में सक्रिय था और सरकारी एजेंसियों को छोटा करने, बजट कम करने और ट्रंप की प्राथमिकताओं के अनुसार काम बदलने की कोशिश कर रहा था।

डीओजीई का प्रचार और विवाद : बीते दिनों डीओजीई ने दावा किया कि उसने अरबों डॉलर बचाए, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। एलन मस्क ने डीओजीई के काम को बड़े उत्साह के साथ प्रचारित किया और कहा कि यह ब्यूरोक्रेसी के लिए चेनसॉ है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दिन से सरकारी हायरिंग पर रोक थी। ऐसे में अब यह रोक खत्म हो गई है। डीओजीई के कई कर्मचारियों ने अब नए प्रशासनिक और तकनीकी रोल संभाल लिए हैं। वहीं ट्रंप की टीम अब नियम-कानूनों को कम करने और एआई के जरिए सरकारी नियमों की समीक्षा पर काम कर रही है।

प्रमुख लोगों ने संभाली नई भूमिका

डीओजीई के प्रमुख लोगों ने अब नई भूमिकाएं संभाल ली हैं। एयरबीएनबी के सह-संस्थापक जो गेबीआ अब राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो का नेतृत्व कर रहे हैं और उनका काम सरकारी वेबसाइटों को और अधिक आकर्षक बनाना है। वहीं डीओजीई के अन्य कर्मचारी, जैसे एडवर्ड कोरिस्टिन, प्रशासन में नई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जाचरी टेरेल अब स्वास्थ्य और मानव सेवाएं विभाग के मुख्य तकनीकी अधिकारी हैं, जबकि राचेल रिले नौसेना अनुसंधान कार्यालय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोते से मिलने कनाडा गए भारतीय बुजुर्ग पर किशोरियों के उत्पीड़न का आरोप, कोर्ट ने निर्वासन का आदेश दिया

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के सर्निया में 51 साल के भारतीय नागरिक जगजीत सिंह को दो किशोरियों को लगातार परेशान करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। सिंह जुलाई में अपने नवजात पोते से मिलने कनाडा आए थे। अब उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा और भविष्य में कनाडा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, सिंह ने स्कूल के बाहर धूम्रपान क्षेत्र में लड़कियों के पास जाना शुरू किया। आठ से 11 सितंबर के बीच उन्होंने लड़कियों से बार-बार फोटो लेने की कोशिश की और उनके साथ नशे और शराब के बारे में बातें कीं।

एक लड़की ने बताई आपबीती

मामले में एक लड़की ने बताया कि उसने पहले फोटो लेने से मना किया, लेकिन बाद में सिंह को शांत करने के लिए झिझकते हुए हां कर दी। इसके बाद सिंह ने लड़की के पास हाथ रखकर उसे असहज किया, जिसे लड़की ने हटा दिया। पुलिस ने बताया कि अंग्रेजी नहीं बोलने वाले जगजीत सिंह ने छात्राओं का पीछा भी किया। उन्हें 16 सितंबर को गिरफ्तार किया गया और यौन दुर्व्यवहार और यौन छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन नई शिकायत के बाद फिर गिरफ्तार किया गया।

क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए ठहराए गए दोषी

मामले में 19 सितंबर को सिंह ने यौन छेड़छाड़ के आरोप में दोषी नहीं होने की बात कही, लेकिन क्रिमिनल हैरेसमेंट के लिए दोषी ठहराए गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने कहा कि सिंह का उस स्कूल के बाहर होना बिल्कुल गलत था।

जानें कौन-कौन सी सजा मिली?

बता दें कि सिंह को तीन साल की परिवीक्षा दी गई है। इसके तहत वे किसी भी लड़की से संपर्क नहीं कर सकते, उनके घर, स्कूल या काम की जगह के पास नहीं जा सकते। 16 साल से छोटे किसी भी बच्चे के पास नहीं रह सकते, सिर्फ अपने नवजात पोते को छोड़कर। इसके अलावा वे किसी स्कूल, पार्क, खेल का मैदान या समुदाय केंद्र के 100 मीटर के दायरे में नहीं जा सकते।

कौन लीक कर रहा था पाक के न्यूक्लियर सीक्रेट्स

मुशर्रफ से है कनेक्शन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआई के पूर्व ऑपरेशंस चीफ जेम्स लॉलर ने पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान अन्य देशों को परमाणु तकनीक और सीक्रेट बेच रहे थे। इस बात की जानकारी मिलने पर तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति मुशर्रफ ने बड़ा नाटकीय व्यवहार किया था। उन्होंने कादिर खान के लिए गालियां तक बकी थीं। बाद में मुशर्रफ ने लंबे समय तक कादिर खान को उनके ही घर में नजरबंद रखा। बता दें कि सीआईए के पूर्व अधिकारी जेम्स लॉलर को अब्दुल कादिर खान के अंतराष्ट्रीय परमाणु तस्करी का खेल उजागर करने के लिए जाना जाता है। एएनआई के साथ इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉर्ज टेनेट ने निजी तौर पर मुशर्रफ को कादिर खान की हरकतों की जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने पुख्ता सबूत भी पेश किए थे। इसमें बताया गया था कि खान परमाणु तकनीक से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीबिया जैसे देशों को बेच रहे हैं।

बता दें कि अब्दुल कादिर खान का नाम कई विवादों से जुड़ा रहा। इसमें परमाणु तकनीक के प्रसार और अवैध नेटवर्क के संचालन के आरोप शामिल हैं। इसके चलते उन्हें 2004 में नजरबंद भी किया गया था। उन्होंने बाद में इस नेटवर्क में अपनी भूमिका होने की बात मानी, लेकिन मुशर्रफ और बेनजीर भुट्टो पर भी आरोप लगाए। लॉलर के मुताबिक टेनेट ने मुशर्रफ को बताया कि

खान पाकिस्तान को धोखा दे रहे हैं। यह सुनते ही मुशर्रफ भड़क उठे थे। उन्होंने अब्दुल कादिर खान के लिए गंदी सी गाली निकालते हुए कहा, 'मैं उसे मार डालूंगा।' इसके बाद ही मुशर्रफ ने खान को कई साल के लिए हाउस-अरेस्ट कर लिया था। गौरतलब है कि एक्यू खान को मौतों का सौदागर कहा जाता था। लॉलेर ने बताया कि अमेरिकी एजेंसी लंबे समय तक निगरानी के बाद यह जानने में कामयाब हो गई थी कि वह पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बना रहे हैं। हालांकि यह जानने में समय लगा कि वह इससे जुड़ी जानकारियां बाहर भी भेज रहे हैं। लॉलर बताते हैं कि इसी वजह से मैंने उसका नाम मौत का सौदागर रखा था। लॉलर ने बताया कि एक्यू खान का नेटवर्क ईरान के परमाणु कार्यक्रम पहुंच गया था। इसकी पुष्टि इस बात से हुई कि तेहरान ने पी1 और पी2 सेंट्रीफ्यूज डिजाइन का इस्तेमाल किया था, जो खान द्वारा तस्करी करके भेजा गया था। खान के नेटवर्क ने बैलिस्टिक मिसाइल और एक चीनी एटॉमिक बम का ब्लूप्रिंट भी भेजा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान परमाणु संपन्न हो गया तो पूरे मिडिल ईस्ट में 'परमाणु महामारी' फैल जाएगी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नया बिहार बनाने में जुटी सरकार, अब हर 40 किमी पर फोरलेन, 4 घंटे में पहुंचेंगे पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार एनडीए की सरकार एक बार फिर बन गई है। काम का नया जोश भी दिखाई दे रहा है। उत्साहित सरकार अब बिहार के लोगों को घर से 40 किलोमीटर की दूरी पर फोर लेन सड़क देने जा रही है। अगले दो साल में राज्य के किसी भी कोने से चार घंटे में पटना पहुंचने की योजना को साकार करने के लिए पथ निर्माण विभाग इस लक्ष्य के साथ काम करेगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विभाग का पदभार ग्रहण करने के साथ यह प्रतिबद्धता दोहराई। पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त किया। कहा कि पथ निर्माण विभाग राज्य के समग्र विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता रहेगी कि अगले पांच साल में एक्सप्रेस-वे और रिंग रोड जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ससमय धरातल पर उतारने के लिए तेजी से कार्य किए जाएं। साथ ही प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से घोषित परियोजनाओं पर प्राथमिकता से काम होगा। मंत्री ने कहा कि मॉनिटरिंग प्रणाली को टेक्नोलॉजी के माध्यम से और भी सशक्त करने एवं पथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अगले पांच वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने, पर्यटन स्थलों तक बेहतर मार्ग उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक गलियारों को राज्य के अन्य हिस्सों से जोड़ने की विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम हो। पुराने एवं क्षतिग्रस्त मार्गों का पुनर्निर्माण कराया जायेगा। अगले पांच सालों में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने, निर्माण गुणवत्ता की निगरानी के लिए डिजिटल सिस्टम अपनाने तथा सड़क सुरक्षा मानकों को कड़ाई से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद टली यात्रा : इजरायली पीएम नेतन्याहू भारत नहीं आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो सप्ताह पहले हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद बढ़ी सुरक्षा चिंताओं के चलते इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस वर्ष के अंत में निर्धारित अपनी भारत यात्रा को एक बार फिर स्थगित कर दिया है। यह हमला पिछले एक दशक में राजधानी में हुआ सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए। इजरायली मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू अब सुरक्षा आकलन के बाद अगले वर्ष भारत आने की नई तारीख तय करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने 2018 में भारत की अपनी आखिरी आधिकारिक यात्रा की थी। पहले ऐसी रिपोर्टें थीं कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसी साल के अंत से पहले भारत दौरे पर आ सकते हैं। लेकिन यह तीसरी बार है जब उन्होंने इसी वर्ष निर्धारित अपनी यात्रा रद्द या स्थगित की है। नेतन्याहू ने पहले ही दिल्ली धमाके पर शोक व्यक्त किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया- भारत और इजरायल प्राचीन सभ्यताएं हैं जो शाश्वत सत्यों पर खड़ी हैं। आतंक हमारे शहरों पर हमला कर सकता है, लेकिन वह कभी हमारी आत्माओं को हिला नहीं सकता। हमारे राष्ट्रों की रोशनी दुश्मनों के अंधेरे को मात देगी। इससे पहले सितंबर में उनकी भारत यात्रा रद्द की गई थी, जब इजरायल में 17 सितंबर को दोबारा चुनाव कराने की घोषणा के बाद उनके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इससे पहले भी उन्होंने अप्रैल चुनावों के चलते भारत यात्रा स्थगित की थी। दिल्ली हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किए जा रहे आकलन पूरे होने के बाद ही नेतन्याहू की भारत यात्रा को लेकर नई तारीख तय की जाएगी।

दिल्ली में जहरीली हवा का कहर : कार्यालय में सिर्फ 50 फीसदी स्टाफ, बाकी वर्क-फ्राम होम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के चलते सरकार और प्रशासन ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी सरकारी और निजी कार्यालय अब केवल 50 फीसदी स्टाफ के साथ काम करेंगे, जबकि बाकी कर्मचारी वर्क-फ्रॉम-होम मोड में कार्य करेंगे। यह आदेश ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लेवल 3 के तहत लागू किया गया है, जिसे कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट निर्धारित करता है। दिल्ली सरकार ने पहले ही स्कूलों के लिए कई प्रतिबंध लगाए हैं। जब वायु गुणवत्ता अत्यधिक खराब हो, तो बच्चों को खुले में खेलने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक छुट्टियों और खास अवसरों पर सरकारी कार्यालयों में कम अटेंडेंस रहने की संभावना रहती है। उदाहरण के लिए, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी पर्व के दिन कार्यालयों में स्टाफ की उपस्थिति कम रहने की उम्मीद जताई गई थी। सीएक्यूएम पूरे एनसीआर क्षेत्र से डेटा एकत्र करता है और औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स व मौसम की स्थिति के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करता है। जीआरएपी लेवल यह तय करता है कि किन परिस्थितियों में शहर कितनी कठिनाइयों का सामना कर सकता है। सर्दियों में यह स्थिति पिछले वर्षों में आम रही है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने ध्वजारोहण समारोह में नहीं बुलाए जाने का आरोप लगाया

लखनऊ (एजेंसी)। फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण से जुड़े समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने मंगलवार को 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा कि ''रामलला के दरबार में धर्म ध्वजा स्थापना कार्यक्रम में मुझे न बुलाए जाने का कारण मेरा दलित समाज से होना है। तो यह राम की मर्यादा नहीं, किसी और की संकीर्ण सोच का परिचय है। राम सबके हैं। मेरी लड़ाई किसी पद या आमंत्रण को लेकर नहीं है, बल्कि सम्मान, बराबरी और संविधान की मर्यादा के लिए है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा था, ''मुझे अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्योता नहीं मिला है। यदि मुझे न्योता मिला तो सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर ही वहां जाऊंगा...!''

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साधु-संतों, आदिवासियों समेत अनेक श्रद्धालुओं-मेहमानों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया।

वैष्णो देवी कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों में 42 पर मुस्लिमों का चयन

-हिंदू संगठनों ने किया विरोध, प्रशासन ने कहा- प्रक्रिया नीट नियमों के अनुरूप

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में स्थापित माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस के पहले बैच के लिए हुए दाखिलों ने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विवाद की वजह बना 50 सीटों में से 42 मुस्लिम छात्रों का चयन हुआ है, जिसके बाद बीजेपी, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने कड़ा विरोध किया। इन विरोधियों का आरोप है कि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के वित्तीय सहयोग से चल रहे संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी।

इंस्टीट्यूट ने इस माह की शुरुआत में नीट मेरिट लिस्ट के आधार पर अपने पहले एमबीबीएस बैच के लिए दाखिला प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुल 50 सीटों में से 85फीसदी सीटें जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए आरक्षित थीं। मेरिट के आधार पर 42 मुस्लिम और 8 हिंदू छात्रों का चयन किया गया। दाखिला सूची जारी होते ही हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। संगठनों ने तर्क दिया कि- यह संस्थान माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के धन से चलता है इसलिए हिंदू छात्रों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। बीजेपी ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देते हुए दाखिला सूची रद्द करने की मांग की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी नेता सुनील शर्मा ने एलजी मनोज सिन्हा से मिलकर विरोध दर्ज कराया और कहा- कि श्राइन बोर्ड को मिलने वाला दान हिंदुओं का है, जो हिंदुओं की भलाई के लिए खर्च होना चाहिए हम चाहते हैं कि प्रवेश उन्हीं को मिले जिनकी माता वैष्णो देवी में आस्था है। इस साल की प्रवेश सूची स्वीकार नहीं है, नियम बदलने चाहिए। इन संगठनों ने यह भी मांग उठाई कि मेडिकल कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया जाए जिससे धर्म आधारित आरक्षण लागू किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विरोध प्रदर्शनों को अनुचित और गैर-संवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रवेश सूची कानूनन और पूरी तरह मेरिट-आधारित है। उमर ने बीजेपी की मांगों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर आप बिना मेरिट के प्रवेश चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेकर आएं। संविधान में 'सेक्युलर' शब्द है- अगर आपको यह पसंद नहीं, तो इसे हटा दीजिए। उन्होंने कहा- धर्म के आधार पर प्रवेश देना संविधान के मुताबिक संभव नहीं है। क्या पुलिस भी धर्म के आधार पर काम करेगी? अगर अस्पताल और विश्वविद्यालय लोगों से दान लेकर बने हैं, तो क्या आप कहेंगे कि मुसलमान या गैर-हिंदू वहां इलाज न कराएं? उमर अब्दुल्ला ने यह भी पूछा कि यदि प्रशासन बीजेपी नेताओं को भविष्य में धर्म आधारित आरक्षण देने का आश्वासन दे रहा है, तो यह कैसे संभव होगा। अगर ऐसा है, तो फिर माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी और अस्पताल को भी दान-आधारित और धर्म-आधारित संस्थान घोषित कर दें। फिलहाल प्रशासन ने कहा है कि प्रवेश सूची में कोई बदलाव नहीं होगा और प्रक्रिया नीट के नियमों के अनुरूप है।

तिब्बत में चीन के बड़े बांध भारत के लिए खतरा- तिब्बती राष्ट्रपति

लखनऊ (एजेंसी)। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने कहा है कि तिब्बत प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, जो पूरे एशिया में लगभग दो अरब लोगों को जीवन देता है। लेकिन चीन बड़े पैमाने पर बांध निर्माण कर रहा है, जिससे भारत सहित डाउनस्ट्रीम देशों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि तिब्बती लिपि भारतीय गुप्त लिपि से विकसित हुई है और नालंदा परंपरा की बौद्ध शिक्षाओं को संरक्षित करने में तिब्बत की ऐतिहासिक भूमिका रही है। उनके अनुसार, ये सांस्कृतिक परंपराएं आज भी प्राचीन भारतीय ज्ञान का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई हैं। तिब्बती राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लंबे समय से मिले समर्थन के लिए भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दलाई लामा और चीन के बीच हुए 17 सूत्रीय समझौते, चीनी सरकार के साथ शांतिपूर्ण संवाद, हजारों तिब्बतियों के भारत में निर्वासन, सिक्योंग से निर्वासित तिब्बती प्रशासन के गठन, दलाई लामा के मार्गदर्शन में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास तथा विभिन्न तिब्बती बस्तियों की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चीन तेज़ी से तिब्बती बच्चों को बोर्डिंग स्कूलों में दाखिल कर रहा है और उन्हें चीनी भाषा अपनाने पर जोर दे रहा है।

शीतकालीन सत्र से पहले 30 नवंबर को केंद्र सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

पटना (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अगुवाई में होने वाली इस बैठक में आगामी सत्र के एजेंडे और विधेयकों पर सभी दलों से चर्चा की जाएगी।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मीडिया को बताया कि सरकार विपक्ष के नेताओं के साथ सभी लंबित तथा प्रस्तावित विधेयकों की सूची साझा करेगी। उन्होंने कहा, हम विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के नेताओं को सूची सौंपी जाएगी और उनके सुझावों के अनुरूप रणनीति तय की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया है, कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार द्वारा सुझाई गई तारीखों को मंजूरी दे दी है। कुल 19 दिनों में 15 बैठकें होंगी। निजी सदस्यों के विधेयक 5 व 19 दिसंबर तथा निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा 12 दिसंबर को तय है। इसी बीच, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 को लेकर उठ रही अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने स्पष्ट किया है कि चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव केवल केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से है। इससे चंडीगढ़ के शासन-प्रशासन या पंजाब और हरियाणा के साथ स्थापित परंपरागत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, कि इस मामले पर अंतिम निर्णय सभी हितधारकों से विस्तृत परामर्श के बाद ही किया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

क्या भाजपा में जाएंगे कांग्रेस नेता डीके? पूर्व मंत्री के बयान से कर्नाटक में मची सियासी हड़कंप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर बढ़ी रार थमने का नाम नहीं ले रही है। इस सियासी झगड़े का फायदा कोई तीसरा उठा सकता है ऐसी संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस में जारी कलह के बीच भारतीय जनता पार्टी अलर्ट नजर आ रही है। राज्य के पूर्व मंत्री और विधायक रमेश जिरकिहोली ने कहा कि भाजपा को कांग्रेस सरकार गिराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने साफ किया है कि अगर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो उन्हें अन्य विकल्प तलाशने होंगे। खबर है कि शिवकुमार समर्थक कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए विधायक दिल्ली में डेरा डाले हैं।

जब सवाल किया गया कि क्या शिवकुमार पार्टी बदलेंगे और भाजपा के समर्थन से सरकार बनाएंगे। इसपर जरकिहोली ने कहा कि ऐसी स्थिति की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, अगर ऐसा होता है तो मैं उन्हें अपने नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। यह इस जीवन में तो संभव नहीं है। अगर शिवकुमार भाजपा में आते हैं, तो मुझे अन्य राजनीतिक विकल्पों की ओर देखना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि शिवकुमार के पास कांग्रेस में विधायकों का समर्थन है। अगर यह सच होता, तो वह पहले ही सीएम बन गए होते।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जरकिहोली ने कहा कि मैं भाजपा नेतृत्व से न्यूट्रल रहने की अपील करता हूं। उन्हें इसमें दखल नहीं देना चाहिए, यह दलदल है और हमें इसमें नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, पावर शेयरिंग को लेकर नेताओं के बीच कन्फ्यूजन है। कुछ नेता सीएम को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह पद हासिल कर सकें। वो जो चाहते हैं, उन्हें करने दीजिए। हमने अगले चुनावों का इंतजार करना चाहिए और पूर्ण बहुमत के साथ आना चाहिए। यह मेरा निजी विचार है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास अभी जनादेश है। उन्हें उनका कार्यकाल पूरा करने दीजिए। साथ ही बार-बार चुनाव राज्य के लिए अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जन विरोधी है और अगर अगले ढाई साल सरकार में रही, तो लोगों की नाराजगी का सामना करेगा। उन्होंने कहा, फिर स्वभाविक रूप से लोग भाजपा को चुनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों का एक और समूह पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचा है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम छह विधायक रविवार रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है। इस बीच, सिद्धारमैया ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अगर वे तय करते हैं कि मुझे (मुख्यमंत्री पद पर) बने रहना चाहिए, तो मैं पद पर बना रहूंगा। आखिरकार, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। शिवकुमार को भी उसे स्वीकार करना चाहिए।

एसआईआर सबसे बड़ा चुनावी घोटाला, देश में 17 बीएलओ की मौत-संजय सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने एसआईआर को देश का सबसे बड़ा चुनावी घोटाला बता दिया है। संजय सिंह ने कहा कि यूपी और कई राज्यों में एसआईआर के नाम पर 17 बीएलओ की जान जा चुकी है, जबकि 563 लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। 181 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौकरी खत्म कर दी गई और हजारों परिवार भय और उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि जब चुनाव डेढ़ साल बाद होने हैं तो सरकार को एक ही महीने में पूरा एसआईआर क्यों चाहिए? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित समाज को वोटर लिस्ट से साफ करने की सुनियोजित साजिश? संजय सिंह ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय पर सरकार जानबूझकर चुप है और नकली मुद्दों के जरिए जनता को भ्रमित करना चाहती है। आप सांसद ने कहा कि बीजेपी सरकार की तानाशाही और एसआईआर जैसे चुनावी घोटालों के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी इसे पूरी ताकत से उठाएगी। संजय सिंह ने कहा कि बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक लाखों वोटर लिस्ट से काटे जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख नाम हटाए गए है। एक ही विधानसभा में 50-60 हजार वोट काटे जा रहे हैं। यहां तक कि रिटायर्ड आईएएस विद्यासागर और उनकी पत्नी का नाम भी काट दिया गया है। क्या इसका मतलब है कि वे भी घुसपैठिए हैं? उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त अज्ञानेश कुमार बीजेपी सरकार के एजेंडा को पूरा करने में इतनी तेजी दिखा रहे हैं कि सरकारी कर्मचारी आत्महत्या तक करने लगे हैं। यह प्रशासनिक नहीं, राजनीतिक निर्देश है और इसके लिए चुनाव आयोग सीधा जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि 17 बीएलओ की मौत पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

महंत के बिगड़े बोल कहा- कलाम को बताया आतंकी अफजल गुरु का हमदर्द

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी एक बार फिर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइलमैन कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक अब्दुल कलाम पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। यति ने ना सिर्फ उन्हें अफजल गुरु से हमदर्दी रखने का आरोप लगाया बल्कि उन्हें जिहाद करने वाला तक बता डाला। हैरानी की बात यह है कि यति ने यह सब पुलिसकर्मियों के सामने कहा जो उनके आगे हाथ जोड़ते रहे।

खुद को रोकने वाले पुलिसकर्मियों के सामने यति नरसिंहानंद ने कहा कि वह (अब्दुल कलाम) तीनों सेनाओं का अध्यक्ष होकर जिहाद कर सकता है और हमारा छोटा सा सिपाही भी धर्म के लिए कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि सिस्टम हमारा ऐसा ही है। इन टिप्पणियों के बावजूद वहां खड़े पुलिसकर्मी यति को हाथ जोड़ते नजर आए। इससे पहले यति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यति नरसिंहानंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री आवास जाने का ऐलान किया था। वह इस्लामिक जिहाद को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर पीएम आवास जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया। फिर क्या था, यति नरसिंहानंद वहीं खड़े होकर एक से बढ़कर एक विवादित बातें करने लगे। पुलिस द्वारा रोके जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए गिरी ने कहा कि इस्लाम का जिहाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यदि यह जारी रहा तो बहुत जल्द सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी।

इसके बाद वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तक पहुंच गए और उन्हें सबसे कट्टर मुसलमान बताते हुए अफजल के परिवार से मुलाकात, जिहाद जैसे आरोप लगाने लगे। यति ने कहा, अफजल गुरु के परिवार से सारे प्रोटोकॉल तोड़कर मिला। अब्दुल कलाम से कट्टर मुसलमान इस देश में नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही राष्ट्रपति है जो मृत्युदंड पाए किसी अपराधी के परिवार से मिला। जब तक अब्दुल कलाम उसके परिवारवालों से नहीं मिला था अफजल गुरु ने दया याचिका दायर नहीं की थी। अब्दुल कलाम ने कहा कि दया याचिका दायर करो मैं बैठा हूं यहां पर। कांग्रेस सरकार ने तब तक दया याचिका होम डिपार्टमेंट से भेजी नहीं, वरना...। यति ने अब्दुल कलाम को भारत रत्न देने वाले नेताओं के लिए भी अपशब्द का इस्तेमाल किया।

कई राज्यों में ठंड दिखा रही अपना असर, बर्फीली हवाओं ने जनजीवन किया प्रभावित

- श्रीनगर में पारा -3.2 डिग्री सेल्सियस, दिल्ली में एक्यूआई खराब श्रेणी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में नवंबर में ही ठंड का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। तापमान गिरने लगा है। कश्मीर घाटी में ठंड ने इस बार नवंबर में ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तेज बर्फीली हवाओं और गिरते तापमान ने लोगों के जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बांदीपोरा में पारा -4.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का, जो इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात रही। वहीं, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और मनाली में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ने लगा है। इसके अलावा उत्तराखंड के कई जिलों में भी तापमान तेजी से नीचे गिर रहा है। दिल्ली और एनसीआर लगातार तीसरे सप्ताह से गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 396 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। आने वाले दिनों में और बुरा हाल होने वाला है। हालांकि एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में स्थिति और भी भयावह है, जहां एक्यूआई 450 के स्तर को पार पहुंच गया। यूपी में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। अब धीरे-धीरे रात के समय ठंडक बढ़ती जा रही है। आने वाले दिनों में ठंडक में इजाफा हो सकता है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 2-3 दिनों से जारी तापमान में गिरावट का सिलसिला अगले 48 घंटों तक जारी रहेगा। प्रदेश में किसी सक्रिय मौसम तंत्र के न होने और ठंडी और शुष्क पछुआ, उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण सर्दी लगातार बढ़ रही है। 25 नवंबर को प्रदेश में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में सुबह के समय कहीं-कहीं पर कोहरा छा सकता है। इसी तरह 26, 27 और 28 नवंबर को प्रदेश में मौसम साफ रह सकता है। सुबह कोहरा छा सकता है। 29 और 30 नवंबर को भी प्रदेश में मौसम साफ रहने के साथ ही कोहरा छाने की संभावना है।

बिहार में सर्दी के साथ ही कोहरा भी बढ़ रहा है और साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक लेवल तक बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से ठंड बढ़ी है। उत्तराखंड में मौसम लगातार शुष्क बना हुआ है लेकिन तापमान में गिरावट आ रही है। न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जिसके चलते पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी जनपदों तक ठिठुरन होने लगी है।

मौसम केंद्र के मुताबिक फिलहाल मौसम का मिजाज अगले कुछ दिनों तक इसी प्रकार बना रहेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला गिरने और मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छा सकता है। देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में सोमवार को तेज धूप खिली रही। हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से दिन के समय भी खासी ठंड महसूस की गई है।

आतंकी हैंडलरों को लेकर देश भर के अल्पसंख्यक संस्थानों पर रखी जाएगी नजर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली धमाके में जिस तरह से फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नाम आते पूरे देश के अल्पसंख्यक संस्थान निशाने पर आ गए हैं। अब राज्य सरकारें अपने-अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेंगी कि वहां किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियां तो नहीं चल रही हैं या फिर किसी तरह की संदिग्ध वित्तीय अनियमितताएं तो नहीं हो रही हैं। बता दें कि दिल्ली धमाकों के तार अबतक अल-फलाह के कम से कम तीन डॉक्टरों से सीधे तौर पर जुड़े पाए गए हैं। खुद फिदायीन हमलावर डॉ उमर उन नबी भी वहीं पढ़ाता था। बता दें कि अल-फलाह ग्रुप का फाउंडर और चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी पहले से ही प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में है। जब, उसकी यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टरों का नाम टेरर मॉड्यूल के रूप में सामने आया तो कुछ ही दिन बाद ईडी ने इसे गिरफ्तार कर लिया। जवाद के ट्रस्ट से जुड़े करीब दो दर्जन ठिकानों पर ईडी छापा मार चुकी है। जवाद से जुड़ी यूएई की दो प्रॉपर्टी, यूके समेत विदेशी स्रोत से मिले हजारों डॉलर के फंड की जांच हो रही है। ईडी उन लोगों की भी तहकीकात कर रहा है, जो जवाद के लगातार संपर्क में रहे हैं। एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र ने बताया, राज्य सरकारों से कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान में नामांकन कराता है, जिसका अतीत संदेहास्पद रहा है, तो उन पर नजर रखें। यह भी कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, खासकर अगर वह स्टूडेंट्स के लिए मीडियेटर या हैंडलर के रूप में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और वह भी विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर से है तो उसको लेकर अलर्ट रहें। रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में इस तरह का फैसला लिया गया है। इस बैठक में एनआईए, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों ने आपस में विचार-विमर्श किया है। अब से राज्य सरकारों को जैसे ही अपने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में किसी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की भनक लगेगी, वह तुरंत केंद्रीय एजेंसियों को अलर्ट करेगा। अधिकारी का कहना है कि राज्य सरकारों को स्पष्ट तौर पर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जांच-पड़ताल की वजह से उनके किसी भी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को किसी तरह की असुविधा नहीं होने पाए।